पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

श्रेयस तलपड़े के खिलाफ धोखाधड़ी की शिकायत

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 45 ■ अंक : 286 ■ गुरुवार 12 फरवरी 2026 ■ पृष्ठ 4
3 रुपए
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A.
Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com
@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

लोकल की भीड़ ने ली 12वीं के छात्र की बलि

- परीक्षा देने जा रहे छात्र की रेल हादसे में दर्दनाक मौत
- ठाणे लोहमार्ग पुलिस जुटी जांच में

कल्याण. डोंबिवली से 12 वीं की परीक्षा देने घर से निकले एक छात्र की रेल हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। इस दुखद घटना से डोंबिवली में शोक की लहर व्याप्त है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ट्रेन में भीड़ अधिक होने के कारण छात्र का संतुलन बिगड़ गया, और वह नीचे गिर पड़ा, जिससे उसकी जान चली गई। मृतक छात्र की पहचान सोहम कठरे (18) के रूप में हुई है। वह डोंबिवली में अपने माता-पिता के साथ रहता था, और 12 वीं की परीक्षा के लिए कलवा परीक्षा केंद्र पर जा रहा था। मंगलवार सुबह उसका शव कलवा और मुंब्रा रेलवे स्टेशन के बीच रेलवे ट्रैक के पास घायल अवस्था में मिला। घटना की सूचना मिलते ही ठाणे लोहमार्ग पुलिस मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल सोहम को तुरंत ठाणे जिला सरकारी अस्पताल ले गई। लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, घटना के समय लोकल ट्रेन में भारी भीड़ थी। आशंका जताई जा रही है कि इसी भीड़भाड़ के चलते संतुलन बिगड़ने से वह ट्रेन से नीचे गिर गया होगा। इस मामले में ठाणे रेलवे पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस प्रत्यक्षदर्शियों की तलाश कर रही है, ताकि हादसे की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सके। इस दुखद घटना से छात्र के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है, और पूरे इलाके में गहरी संवेदना व्यक्त की जा रही है।

सिंधी समाज का पलायन रोकेंगे -पप्पू कालानी

- उल्हासनगर में महायुति का अंदरूनी विवाद भड़का
- स्वीकृत नगरसेवक को लेकर छिड़ी बहस
- क्लास के बिगड़ैल बच्चे निकम को मॉनिटर बनाया है- रामचंदानी
- व्यापारी महापंचायत के मंच पर राजनीतिक चिंगारी
- विकास की जगह आरोप-प्रत्यारोप!

उल्हासनगर. उल्हासनगर की राजनीति में महायुति में दबा तनाव आखिरकार सार्वजनिक मंच पर फूट पड़ा। उल्हासनगर 5 में व्यापारी महापंचायत कार्यक्रम में ऐन के भाषण के दौरान दिए गए बयानों ने भाजपा और शिवसेना (शिंदे गुट) के बीच मतभेदों को मंच पर ला दिया। मुख्य मंच पर हुई इस जुबानी जंग से वहां मौजूद लोगों में कानाफूसी शुरू हो गई, वहीं शहर के राजनीतिक हलकों में नई चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

मंगलवार शाम व्यापारी महापंचायत के अध्यक्ष बने महेश मूलचंदानी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में महायुति में विभिन्न दलों के पदाधिकारी और नगरसेवक मौजूद थे। अपने भाषण के दौरान, BJP नेता प्रदीप रामचंदानी ने कहा कि स्वीकृत नगरसेवक पद के चयन में विरोधाभास को उजागर करते हुए कहा कि राजेश वधारिया ने TOK के मनोज लासी का नाम सुझाया था उसके लिए विरोधाभास है और कमलेश निकम की पत्नी को महापौर बनाए जाने पर कहा कि क्लास में बिगरैल बच्चे को मॉनिटर इसलिए बनाया जाता है ताकि वो शरारत न करें। वो कमलेश निकम पर लागू होता है। इस बयान के बाद माहौल में तनाव पैदा हो गया। इसके बाद मंच पर ही BJP नेता प्रदीप रामचंदानी और पप्पू कालानी व मनोज लासी के बीच कहासुनी हो गई।

मनपा में अभी महायुति की सत्ता अभी स्थापित ही हुई है, ऐसे में इस तरह के मतभेदों का सार्वजनिक रूप से सामने आना भविष्य में नए राजनीतिक समीकरणों का संकेत माना जा रहा है। BJP और शिवसेना के बीच अंदरूनी कलह एक बार फिर उजागर होने से राजनीतिक गलियारों में इस बात की चर्चा है कि महायुति की एकता कब तक टिकेगी।

पप्पू कालानी ने बीच-बचाव किया

जब प्रोग्राम का माहौल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप की ओर बढ़ रहा था, तो पप्पू कालानी ने बीच-बचाव करके हालात को काबू में किया। उन्होंने दोनों पक्षों को शांत करते हुए सलाह दी, शहरी विकास के मुद्दे पर बात करें, अंदरूनी झगड़ों को सार्वजनिक न करें। दोनों के झगड़े में शहर का नुकसान होगा। शहर से लोगों के पलायन को रोकना जरूरी है उसके लिए 6 माह में आपको शहर में बदलाव देखने को मिलेगा। मतभेद के दौरान उनके बीच-बचाव के बाद माहौल शांत हो गया, लेकिन प्रोग्राम में हुई यह घटना शहर में चर्चा का विषय बन गई है।

...तो महापौर भाजपा का होता

BJP नेता प्रदीप रामचंदानी ने चुनाव नतीजों का हवाला देते हुए आगे कहा कि BJP को शहर में कुल 85 हजार वोट मिले, जबकि शिवसेना और दूसरी पार्टियों को मिलाकर 68 हजार वोट मिले। उन्होंने दृढ़ता से कहा, "अगर अंबरनाथ की तरह उल्हासनगर में भी सीधे जनता से मेयर चुनने का सिस्टम होता, तो आज मेयर BJP का होता।" इस बयान के बाद TOK नेता मनोज लासी ने ऐतराज़ जताया, जिससे मेन स्टेज पर दोनों के बीच कहासुनी हो गई।

उल्हासनगर भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय में भारतीय जनसंघ के प्रणेता, एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश वधारिया, विधायक कुमार आयलानी, नगरसेवक, नगरसेविकाएं तथा भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे.

उल्हासनगरवासियों के लिए अच्छी स्वास्थ्य सेवा ही लक्ष्य

मरीज़ों से सीधे बातचीत महापौर अश्विनी निकम ने किया सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल का दौरा

उल्हासनगर. नवनियुक्त महापौर अश्विनी निकम ने पदभार संभालते ही सोमवार को शहर में हेल्थकेयर सेवाओं का सीधा जायजा लेने के लिए उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के म्हारल में सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल का सरप्राइज दौरा किया। मरीज़ के बेड के पास खड़े होकर, OPD में लोगों से सीधे बातचीत करते हुए, उन्होंने इलाज, दवा और सुविधाओं के बारे में पूरी जानकारी ली।

नई चुनी गई महापौर अश्विनी निकम ने उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के म्हारलगांव में सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल का सरप्राइज दौरा किया। इस दौरे से हॉस्पिटल मैनेजमेंट, डॉक्टरों और स्टाफ के बीच गतिविधियों में तेज़ी आई। इस मौके पर शिवसेना (शिंदे) ग्रुप के कॉर्पोरेटर अरुण आशान, जमनूदास पुरसवानी, सोशल वर्कर विशाल हजारे और दूसरे पदाधिकारी मौजूद थे।

महापौर ने हॉस्पिटल के अलग-अलग डिपार्टमेंट का इंस्पेक्शन किया और मरीज़ों से सीधे बातचीत की। उन्होंने भर्ती मरीज़ों के इलाज के तरीकों, दवाओं की उपलब्धता, साफ-सफाई और सर्विस सुविधाओं के बारे में पूछा। महापौर ने OPD में इलाज के लिए आए लोगों से भी बातचीत की और दवाओं के बंटवारे, जांच के समय, डॉक्टरों की मौजूदगी और इलाज के पूरे सिस्टम पर उनका फीडबैक लिया। कई मरीजों ने सीधे अपनी समस्याएं बताईं। उन्हें तुरंत नोट किया गया और सुधार के लिए सुझाव दिए गए।

हेल्थ सर्विस में क्वालिटी सुधार के लिए साफ निर्देश देते हुए महापौर ने कहा, मेरी सबसे बड़ी प्राथमिकता यह पक्का करना है कि शहर के लोगों को समय पर, आसान और क्वालिटी वाला इलाज मिले। हॉस्पिटल में जो भी कमी होगी, उसे तुरंत ठीक किया जाएगा और सर्विस को और बेहतर बनाया जाएगा।

महापौर के इस सरप्राइज विजिट ने हेल्थ सिस्टम की कमियों पर ध्यान दिया है, और लोगों ने उम्मीद जताई है कि आने वाले दिनों में सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में सर्विस और बेहतर होंगी।

> "मरीजों को समय पर इलाज, दवाएं और अच्छी सर्विस मिलनी चाहिए। कहीं भी आलस या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मेरा पक्का इरादा है कि मरीजों की समस्याएं सीधे सुनी जाएं, उन्हें तुरंत हल किया जाए और हेल्थ सर्विस को और बेहतर बनाया जाए।
> – **अश्विनी निकम, मेयर**
> उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन

अंबरनाथ में शिवाजी महाराज प्रतिमा के आसपास से बाम्बू कब निकाले जाएंगे

- 15 फरवरी को महाशिवरात्रि पर शिवमंदिर की यात्रा

अंबरनाथ. अंबरनाथ पूर्व में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर बने मेघडंबरी पर और उसके आसपास धूल मिट्टी और कचरा हो गया था. शहर के कुछ लोगों द्वारा आवाज उठाने पर एक नवनिर्वाचित नगरसेवक ने जोर-शोर से प्रतिमा के आसपास स्वच्छता एवं मेघडंबरी पर पानी मारकर स्वच्छता का कार्य किया. सोशल मीडिया पर जोर-शोर से फोटो, वीडियो शेयर किए गए. शहरवासियों ने इस कार्य की प्रशंसा भी की. प्रतिमा के आसपास बाम्बू बांधकर लगाकर ये बताने का प्रयास किया गया कि रंगरोगन भी किया जाएगा. लेकिन आज 15 दिन बीत जाने के बाद भी रंगरोगन तो हुआ नहीं, लेकिन बांधे गए बाम्बू आज तक निकाले नहीं गए हैं. कुछ लोगों ने हस्ताक्षर अभियान करके 15 दिन पूर्व ये कहा था कि ये कार्य जल्द से जल्द पूरा किया जाए. जबकि 15 फरवरी रविवार को महाशिवरात्रि पर्व है. ऐतिहासिक शिवमंदिर की यात्रा शुरू हो रही है. केवल 5 दिन शेष रह गए हैं. शहरवासियों का कहना है कि दो दिन में इस कार्य को पूरा करके प्रतिमा के आसपास बांधे हुए बाम्बू को हटाया जाए क्योंकि ये बाम्बू प्रतिमा के आसपास की शोभा को कम कर रहे हैं. शिवरात्र को लाखों भक्त अंबरनाथ, आसपास के गांव एवं शहरों से शिवमंदिर में दर्शन के लिए आते हैं. सड़क के आसपास अनेक संघटना द्वारा मंडप लगाकर यात्रियों में पानी, शरबत एवं खानपान का सामान वितरित किया जाता है. क्या 15 फरवरी को महाशिवरात्रे से पूर्व छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा के आसपास के बाम्बू को हटाकर लाइटिंग की जाएगी. नपा प्रशासन एवं नगराध्यक्षा को इस ओर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है.

उल्हासनगर नगर भूमापन कार्यालय में स्पेशल हेल्प डेस्क बनाया गया -राजेंद्र लोंढे

उल्हासनगर. लोगों को ऑनलाइन एप्लीकेशन भरने में टेक्निकल दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस दिक्कत को ध्यान में रखते हुए, लोगों को तुरंत मदद देने के लिए उल्हासनगर के नगर भूमापन कार्यालय में एक 'स्पेशल हेल्प डेस्क' बनाया गया है, यह जानकारी उल्हासनगर के अर्बन लैंड ऑफिसर राजेंद्र रघुनाथ लोंढे ने दैनिक उल्हास विकास से बात करते हुए दी।

इस बारे में जानकारी देते हुए अर्बन लैंड सर्वे ऑफिसर राजेंद्र रघुनाथ लोंढे ने आगे कहा कि लैंड सर्वे एप्लीकेशन अब पुराने ऑफलाइन तरीके से एक्सेप्ट नहीं किए जाएंगे। सभी प्रोसेस दिए गए लिंक के ज़रिए ऑनलाइन पूरे करने होंगे।

सर्वे एप्लीकेशन जमा करते समय, भूमि रजिस्टर या संपत्ति पत्रक, संबंधित भूमि का पुराना रिकॉर्ड, बिना खेती वाले सर्वे के लिए स्वीकृत ड्राइंग प्लान, उप-भूखंड सर्वे के लिए स्थानीय स्वशासन संस्था या नियोजन प्राधिकरण का अस्थायी स्वीकृत ड्राइंग और अनापत्ति प्रमाण पत्र, आवेदक का पहचान प्रमाण, सर्वे शुल्क का ऑनलाइन चालान (जिसकी प्रति बैंक में जमा करनी होगी) आदि दस्तावेज अपलोड करना अनिवार्य है।

इसके लिए ई-सर्वे वर्जन 2 सर्वे एप्लीकेशन के बारे में शर्वरी पवार, अनिल माने, ई-संशोधन/ईपीएसआईटी संशोधन एप्लीकेशन के बारे में गीता घोणे, जहांगीरखान पठान, विशाल पोतदार, जयंत पाटिल से दोपहर 3 से शाम 5 बजे तक संपर्क करें। यह जानकारी नगर नियोजन अधिकारी राजेंद्र रघुनाथ लोंढे ने पत्रकारों से बात करते हुए दी।

उल्हासनगर में जनगणना ट्रेनिंग का रिव्यू

- घर-घर जाकर सही डेटा इकट्ठा करने की शुरुआत
- जनगणना 2027 के लिए उल्हासनगर तैयार;
- घर-घर ब्लॉक बनाने की ट्रेनिंग पूरी हुई

उल्हासनगर. देश का सोशियो-इकोनॉमिक ब्लूप्रिंट बनाने वाली जनगणना 2027 अब तैयारी के आखिरी स्टेज में पहुंच गई है और इस बारे में उल्हासनगर में एडमिनिस्ट्रेशन ने कमर कस ली है। उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के अधिकारियों ने ट्रेनिंग लेने के लिए तैयारी दिखाई है, जो घर-घर सही डेटा इकट्ठा करने के लिए ज़रूरी है और जनगणना की दिशा में एक ठोस कदम उठाया गया है।

भारत सरकार की जनगणना 2027 पहल के तहत, उल्हासनगर में घर-घर ब्लॉक बनाने के बारे में एक ज़रूरी ट्रेनिंग प्रोग्राम ऑर्गनाइज़ किया गया। यह ट्रेनिंग म्युनिसिपल हेडक्वार्टर में डिप्टी रजिस्ट्रार जनरल (C&T), डायरेक्टरेट ऑफ़ सेंसस ऑपरेशन्स, महाराष्ट्र, मुंबई के गाइडेंस में और उल्हासनगर म्युनिसिपल कमिश्नर मनीषा आव्हाले के ऑर्डर पर हुई। इस ट्रेनिंग सेशन में सेंसस डिपार्टमेंट के असिस्टेंट डायरेक्टर प्रवीण भगत, स्टैटिस्टिकल इन्वेस्टिगेटर ग्रेड-1 अरुण सालगांवकर ने मौजूद म्युनिसिपल अधिकारियों और कर्मचारियों को डिटेल में गाइडेंस दी। हाउसहोल्ड ब्लॉक फॉर्मेशन के कॉन्सेप्ट, इसे लागू करने, सही डिमार्केशन और असल काम करते समय रखी जाने वाली सावधानियों के बारे में डिटेल में जानकारी दी गई।

एडिशनल कमिश्नर डॉ. किशोर गवस, डिप्टी कमिश्नर डॉ. दीपाली चौगले, स्नेहा कार्पे, असिस्टेंट कमिश्नर गणेश शिम्पी, सलोनी निवकर और सेंसस के काम से जुड़े बड़ी संख्या में अधिकारी और कर्मचारी इस ट्रेनिंग प्रोग्राम में मौजूद थे। इस ट्रेनिंग ने सेंसस 2027 को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए ज़रूरी एडमिनिस्ट्रेटिव तैयारी, टेक्निकल स्किल्स और कोऑर्डिनेशन के लिए एक मज़बूत नींव रखी है, और यह साफ़ हो गया कि उल्हासनगर म्युनिसिपल एडमिनिस्ट्रेशन पूरी तरह से तैयार है। जनगणना दो बड़े फेज़ में होगी

31 दिसंबर, 2025 को होने वाली जनगणना के लिए सभी एडमिनिस्ट्रेटिव बाउंड्री "फ्रीज़" कर दी गई हैं, और इन बाउंड्री को जनगणना 2027 के लिए फाइनल माना जाएगा। इसके बाद की जनगणना की प्रक्रिया 10 फरवरी, 2026 से शुरू है और इसे दो बड़े फेज़ में लागू किया जाएगा।

डोंबिवली मानकोली फ्लाईओवर पर तेज़ रफ़्तार से गाड़ी चलाने वाले

5 युवकों के खिलाफ़ पुलिस की कार्रवाई

डोंबिवली. विष्णुनगर पुलिस ने मंगलवार को डोंबिवली के मोठागांव में मनकोली क्रीक फ्लाईओवर पर तेज़ रफ़्तार से गाड़ी चलाने वाले पांच युवकों के खिलाफ़ कार्रवाई की. तेज़ रफ़्तार गाड़ियों के वीडियो फुटेज देखने के बाद, पुलिस ने डोंबिवली शहर के अलग-अलग इलाकों में दबिश दी और इन गाड़ियों के मालिकों और उनके साथियों को गिरफ़्तार किया. ये सभी युवक 18 से 21 साल की उम्र के हैं. जिन युवकों पर कार्रवाई की गई, उनके नाम पीयूष द्वारकानाथ म्हात्रे (21), वेदांत महेश सावंत (18), विशाल दिनेश विश्वकर्मा (22), कृष्णा जितेंद्र विश्वकर्मा (19) और प्रदीप अंबादास ढकने (21) हैं. इनमें से ज़्यादातर युवक अमीर परिवारों से हैं. विष्णुनगर पुलिस स्टेशन के सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर राम चोपड़े, असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर प्रशांत मोरे, सचिन लोखंडे, ट्रैफिक डिपार्टमेंट के सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर श्रीराम पाटिल के मार्गदर्शन में पुलिस और ट्रैफिक डिपार्टमेंट की टीम ने मिलकर यह कार्रवाई की.

पीयूष म्हात्रे मानकोली फ्लाईओवर पर ट्रैफिक नियमों को तोड़कर अपनी गाड़ी तेज़ स्पीड से चला रहे थे, इसलिए उन पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत 1500 रुपये का जुर्माना लगाया गया और 3500 रुपये का बकाया जुर्माना वसूला गया। पुलिस ने कार चला रहे वेदांत सावंत के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 184 के तहत कार्रवाई की। पुलिस ने तेज स्पीड से गाड़ी चला रहे और जानलेवा हरकतें कर रहे प्रदीप ढाकने के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई की। साथ ही, सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर चोपड़े ने विशाल विश्वकर्मा और कृष्णा विश्वकर्मा के खिलाफ महाराष्ट्र पुलिस एक्ट के तहत कार्रवाई की है, जो जानलेवा तरीके से गाड़ी चलाते हुए वीडियो को अपने मोबाइल फोन पर रिकॉर्ड कर रहे थे। BJP पार्षद दीपेश म्हात्रे ने इन युवाओं द्वारा किए जा रहे जानलेवा स्टंट के बारे में लोकल पुलिस, ट्रैफिक डिपार्टमेंट, ठाणे पुलिस कमिश्नर और डिप्टी कमिश्नर ऑफ़ ट्रैफिक से शिकायत की थी।

उधार ली चूड़ी गिरवी रखकर हड़पने का आरोप

कल्याण। रिश्तों में भरोसा कई बार भारी पड़ जाता है। ऐसा ही एक मामला कल्याण में सामने आया है, जहां परिचित महिला पर विश्वास कर सोने की चूड़ी देना एक गृहिणी को महंगा पड़ गया। अब यह मामला सीधे पुलिस थाने तक पहुंच गया है। पुलिस के अनुसार, कल्याण पश्चिम निवासी स्वाती सुरेश कदम ने शिकायत दर्ज कराई है कि उनकी जान-पहचान की महिला ज्योति रमेश वारूळकर ने उनसे दो दिन के लिए सोने की चूड़ी मांगी थी। कार्यक्रम में पहनने का बहाना बनाकर 15 सितंबर 2021 को 40 ग्राम वजन की लगभग 1 लाख 20 हजार रुपये कीमत की चूड़ी ले ली गई। शिकायत में बताया गया है कि चूड़ी वापस करने के बजाय आरोपी महिला ने उसी दिन रामबाग स्थित एस.पी. ज्वेलर्स में उसे 60 हजार रुपये में गिरवी रख दिया। कुछ समय बाद उसने ज्वेलर्स से चूड़ी छुड़ा तो ली, लेकिन असली मालकिन को लौटाने के बजाय अपने पास ही रख ली।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

रील बनाने का जानलेवा जुनून

आधुनिक तकनीक के रूप में मोबाइल या स्मार्टफोन जितना उपयोगी साबित हुआ है, उसके समांतर अब उसके ऐसे खमियाजे भी सामने आ रहे हैं, जो कई बार व्यक्ति को बहुस्तरीय मानसिक परेशानियों के संजाल में फंसा लेते हैं, तो कभी वह उस चक्र में फंस कर अपनी जान भी गंवा बैठता है। स्मार्टफोन में कोई गेम खेलते हुए बच्चों के आत्महत्या कर लेने की खबरें अक्सर सामने आती रही हैं।

मगर इसके अलावा आजकल सोशल मीडिया के अलग-अलग मंचों पर संक्षिप्त वीडियो या रील बना कर प्रसारित करने की प्रवृत्ति जिस तेजी से बढ़ती देखी जा रही है, उसने एक नई चिंता पैदा की है। हालत यह है कि सोशल मीडिया पर ज्यादा से ज्यादा लोगों तक अपनी बात या किसी मनोरंजक गतिविधि को पहुंचाने के लिए लोग अजीबोगरीब तरीके भी अपनाने लगे हैं।

इस क्रम में सामग्री तैयार करने के लिए वे किसी तरह के औचित्य के प्रश्न से नहीं जूझते, बल्कि उनके दिमाग में सिर्फ लोकप्रिय होने या ज्यादा से ज्यादा दर्शक हासिल करने की बात हावी रहती है। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में एक महिला अपने घर में साड़ी से फंदा बना कर लटक गई, जिससे उसका गला कस गया और आखिर उसकी जान चली गई। खबरों के मुताबिक, वह सिर्फ दिखाने के लिए रील बनाने की कोशिश कर रही थी। हाथ में स्मार्टफोन होने और उसके इस तरह के इस्तेमाल की यह अति है कि कोई सिर्फ शौक और लापरवाही की वजह से अपनी जान गंवा बैठे। रील बनाने के क्रम में हादसे का शिकार होकर मौत की घटनाएं पहले भी सामने आ चुकी हैं, जो लोगों के बीच चर्चा और चिंता का कारण बनीं। ऐसे किसी हादसे का सबक यह होना चाहिए था कि लोग इस तरह के बेलगाम मनोभाव का शिकार न हों।

मगर विडंबना यह है कि पिछले कुछ समय से स्मार्टफोन से रील बनाने का शौक अब विवेक और सुरक्षा के तमाम तकाजों को धता बताने की ओर बढ़ता लग रहा है। केवल दिखावे के लिए आधुनिक तकनीक हासिल करना एक बात है और विवेक तथा उचित प्रशिक्षण के साथ उसका उपयोग करना दूसरी बात। स्मार्टफोन में रील देखने से लेकर बनाने के संजाल में गुम होने के दूरगामी नुकसान अब सामने आने लगे हैं।

विचार : एआई के खतरों से सावधान रहें

पिछले एक दशक के दौरान दुनिया जितनी तेजी से बदली है, उसे देखते हुए अगले दस-बीस वर्षों के संभावित परिवर्तनों की थाह लेना आवश्यक हो गया है। मानव इतिहास के अधिकांश दौर में अभाव जैसे पहलू ने ही सभ्यताओं का तानाबाना रचा है। फिर चाहे यह खानपान का अभाव हो, जमीन, श्रम, पूंजी या कालांतर में ज्ञान का। हमारे आर्थिक सिद्धांतों का उद्भव एवं राजनीतिक संस्थानों का विकास भी अभाव प्रबंधन पर केंद्रित रहा।

मशीनी कौशल यानी एआइ में इस पारंपरिक परिदृश्य को पलटने की क्षमता है। यदि बीसवीं सदी अभावों से पार पाने से जुड़ी थी तो आने वाला दशक अधिशेष के साथ संतुलन की चुनौती के नाम हो सकता है। नए परिदृश्य में तकनीक जितनी तेजी से आगे बढ़ रही है, उस लिहाज से हमारी संस्थाएं पिछड़ती जा रही हैं। ऐसे में यह आवश्यक हो जाता है कि उन नीतिगत उपायों पर विचार किया जाए जो एआइ से उत्पन्न उथल-पुथल से निपटने में कारगर साबित हो सकें।

पारंपरिक अर्थशास्त्र में उत्पादन के चार प्रमुख कारक-श्रम, पूंजी, भूमि और तकनीक माने गए हैं। तकनीक ने हमेशा श्रम को सहयोग प्रदान किया है। प्रत्येक तकनीकी संक्रमण उत्पादकता एवं पारिश्रमिक बढ़ाने के साथ ही मांग के विस्तार और नई नौकरियों का माध्यम बना है। इससे कुछ असुविधा होती भी थी तो बस तात्कालिक ही न कि स्थायी, मगर एआइ से यह रुझान पलट सकता है। पहली बार तकनीक सीधे तौर

पर श्रम को प्रतिस्थापित करती दिख रही है।

न केवल शारीरिक श्रम, बल्कि बौद्धिक, पेशेवर और रचनात्मक कामकाज के मामले में भी एआइ प्रभुत्व दिखा रही है। एआइ के साथ उत्पादकता तो बढ़ रही है, पर रोजगार सृजन उस हिसाब से नहीं हो रहा है। इससे साझा समृद्धि की राह प्रशस्त होने से रही। यानी विषमता बढ़ेगी। प्रकृति और स्वरूप में भी एआइ पिछली तकनीकों की तुलना में अलग है। इसका कोई प्रतिरूप एक बार आकार लेने पर यह सीमांत लागत को शून्य तक करने में सक्षम है। यह स्वाभाविक रूप से एकाधिकार की स्थिति निर्मित करता है। कुछ देशों की चुनिंदा कंपनियों द्वारा विशेष प्रतिरूपों में महारत हासिल करने से यह झलकता भी है।

तमाम विश्लेषकों को आशंका सता रही है कि एआइ बड़े स्तर पर हलचल मचा सकती है। यह मानव समाज के संतुलन को भी प्रभावित करने में सक्षम है। आज उत्पादकता और क्षमताएं निरंतर बढ़ रही हैं। वस्तुएं सस्ती हो रही हैं। सेवाओं का स्तर सुधरा है। भौतिक जीवन की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। एआइ को सफलतापूर्वक अपनाने वाले देश तेज आर्थिक वृद्धि कर रहे हैं। स्वास्थ्य सेवाओं में जबरदस्त सुधार हुआ है। जीवन प्रत्याशा बढ़ी है और बीमारियों पर बोझ घट रहा है। जीवन के विस्तार और काम का दायरा सिकुड़ने पर जननांकीय लाभांश अपने अर्थ खो देता है।

इस परिदृश्य में विदेश से भेजी जाने वाली धनराशि पर निर्भर राष्ट्र-समाज समस्याओं का सामना करते हैं। तब गरिमा और आजीविका के आधार के रूप में रोजगार का विचार संकट का शिकार होने लगता है। संसाधनों का संकेंद्रण भी एआइ के मोर्चे पर पैदा होने वाली एक और समस्या है। ऐसे में संसाधनों के पुनर्वितरण के लिए कोई कारगर नीतिगत उपाय खोजना ही होगा। इसके अभाव में व्यापक आर्थिक दुष्प्रभावों का सामना करना पड़ सकता है।

एआइ के चलते सीखने-समझने की क्षमताओं पर भी संकट मंडराता दिख रहा है। जब मशीन ही फैसले लेने में भूमिका निभाने लगेगी तो लोगों में सीखने के प्रति झुकाव घटने का अंदेशा बढ़ता है। इतिहासकार डेविड रोकलिन ने यह रेखांकित भी किया था कि आटो-पायलट मोड पर अत्यधिक निर्भरता संकट के समय पायलटों के हाथ-पांव फुला देती है। बड़ा खतरा यह नहीं कि मशीन किसी इंसान की भांति काम करे, बल्कि यह खतरा कहीं विकराल होगा कि इंसान ही मशीन की तरह व्यवहार करने लगे।

एआइ की वजह से फर्जी सूचनाओं और तमाम संदिग्ध सामग्री का सैलाब भी संकट बढ़ा रहा है। इससे भरोसे की भावना पर आघात पहुंचा है। सत्य और मिथ्या को लेकर ऐसा जाल बुना जा रहा है कि लोग भ्रमित हो रहे हैं। एआइ पर पकड़ रखने वाले और ताकतवर बनने की राह पर हैं। इसके दम पर नव-धनकुबेरों का उभार हो रहा है।

अध्यात्म इस बात को पहचानना है कि हमारा सच्चा आपा हमारी आत्मा है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

मतदाता सूची सुधार पर सुप्रीम कोर्ट का साफ निर्देश

लोकतंत्र में चुनाव की शुचिता बनाए रखने के लिए मतदाता सूची में समय-समय पर संशोधन जरूरी है। इसी मकसद से देश के विभिन्न राज्यों में विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया शुरू की गई है। मगर इसमें कई तरह की बाधाएं भी उत्पन्न हो रही हैं। कभी बड़ी संख्या में नागरिकों को मसविदा सूची से बाहर करने को लेकर सवाल उठ रहे हैं, तो कभी सियासी दलों की ओर से इस प्रक्रिया में नियमों के विपरीत दखल देने के आरोप लग रहे हैं।

ऐसे में सबसे जरूरी है कि नई मतदाता सूची तैयार करने में पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता बरती जाए, ताकि सभी पात्र नागरिकों का मताधिकार सुरक्षित रह सके और अपात्र या मृतकों के नाम सूची से हटाने का कार्य बिना किसी विवाद या बाधा के पूरा हो सके। यही वजह है कि सर्वोच्च न्यायालय ने पश्चिम बंगाल से जुड़े ऐसे ही एक मामले में सोमवार को सभी राज्यों को स्पष्ट कर दिया कि विशेष गहन पुनरीक्षण की कवायद में किसी को भी बाधा डालने की अनुमति नहीं दी जाएगी। साथ ही इस प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने और विभिन्न आशंकाओं का निराकरण करने के निर्देश भी जारी किए हैं।

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की शुरुआत बिहार से हुई थी

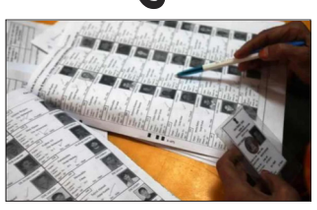

और तब से लेकर यह प्रक्रिया विवादों में है। शुरू में चुनाव आयोग की ओर से आधार कार्ड को पहचान पत्र के दस्तावेज में शामिल न करने का मुद्दा प्रमुखता से उठा था। आयोग का तर्क था कि आधार को नागरिकता का पहचान पत्र नहीं माना जा सकता, मगर बाद में सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर इसे पहचान के दस्तावेज में शामिल कर लिया गया।

अब पश्चिम बंगाल में इस प्रक्रिया पर आए दिन नए-नए सवाल उठ रहे हैं। पिछले दिनों चुनाव आयोग ने खुद राज्य में मसविदा सूची में छूट गए मतदाताओं की सुनवाई की प्रक्रिया रोकने का निर्देश दिया था। आयोग ने माना था कि वर्ष 2002 की मतदाता सूची के डिजिटलीकरण में तकनीकी समस्या की वजह से कई लोगों के नाम मसविदा सूची में शामिल नहीं हो पाए हैं और ऐसे लोगों के लिए फिलहाल व्यक्तिगत सुनवाई की जरूरत नहीं है।

मगर यह बात भी उतनी ही अहम है कि आयोग की इस कवायद में किसी राज्य सरकार का सीधे तौर पर दबाव या दखल देना उचित नहीं हो सकता।

इस बात पर भी गौर करना जरूरी है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया को सफल तरीके से पूरा करने की जिम्मेदारी सिर्फ चुनाव आयोग की नहीं है, बल्कि राज्य सरकारों की भी इसमें अहम भूमिका है। इसके लिए पर्याप्त और सक्षम कर्मी उपलब्ध कराने का जिम्मा राज्य सरकार का होता है।

ऐसे में अपेक्षा की जाती है कि इसमें सियासत को दूर रखकर राज्य सरकार और चुनाव आयोग सहयोग एवं समन्वय के साथ काम करेंगे। चुनाव आयोग पश्चिम बंगाल में कुछ और कर्मियों को पुनरीक्षण प्रक्रिया में तैनात करने की मांग करता रहा है, जिस पर राज्य सरकार अब जाकर राजी हुई है।

अगर सरकार इस पर पहले ही हामी भर देती, तो इस कार्य में लगे अन्य कर्मियों को भी काम का दबाव नहीं झेलना पड़ता, जिसको लेकर राज्य में सत्तारूढ़ दल की ओर से ही सवाल उठाए जाते रहे हैं।

चुनाव आयोग की भी यह प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए कि कोई भी पात्र व्यक्ति मतदान के अधिकार से वंचित न हो। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि पुनरीक्षण की प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं निष्पक्षता बनी रहे।

'हम जिंदा हैं साहब...' गले में तख्ती लटकाकर घूम रहा पति

जरा हट के

मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले से भ्रष्टाचार और सिस्टम की लापरवाही का एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसे सुनकर कोई भी हैरान रह जाए. यहां एक शख्स खुद के जिंदा होने का सबूत देने के लिए दफ्तरों के चक्कर काट रहा है क्योंकि सरकारी रिकॉर्ड में उसकी पत्नी उसे मृत घोषित कर पिछले 10 साल से विधवा पेंशन डकार रही है. हैरान करने वाली बात यह है कि वही पत्नी कोर्ट के आदेश पर जीवित पति से हर महीने गुजारा भत्ता भी वसूल रही है. दरअसल मामला सिंगरौली जिले के बैढ़न जनपद अंतर्गत करसोसा गांव का है. यहां के निवासी चंद्रबली पटेल की शादी 30 साल पहले अंजोरिया पटेल से हुई थी. पारिवारिक विवाद और चंद्रबली की दूसरी शादी के बाद दोनों अलग रहने लगे. पत्नी ने 2014 में दहेज प्रताड़ना का केस दर्ज कराया, जिसमें चंद्रबली को जेल भी जाना पड़ा.

चंद्रबली का आरोप है कि उसकी पहली पत्नी अंजोरिया ने अपने मायके ग्राम जीर में फर्जी दस्तावेज पेश कर खुद को विधवा बता दिया और 2014 से लगातार सरकारी विधवा पेंशन ले रही है. हद तो तब हो गई, जब 2018 में न्यायालय ने चंद्रबली को आदेश दिया कि वह अपनी पत्नी को 5000 रुपये प्रतिमाह गुजारा भत्ता दे. तब से चंद्रबली हर महीने पैसे दे रहा है यानी वह कागजों में सरकार के लिए मरा हुआ है और पत्नी के लिए जिंदा.

चंद्रबली पटेल ने कहा, 'मैं हर जगह गुहार लगा चुका हूं. थाने से लेकर कलेक्ट्रेट तक चक्कर काटे लेकिन कोई सुनने को तैयार नहीं, इसलिए अब तख्ती लटकाकर घूम रहा हूं कि साहब मैं अभी जिंदा हूं.'

तख्ती लटकाए घूमते व्यक्ति की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद प्रशासन की नींद टूटी है. जिला पंचायत सीईओ जगदीश कुमार गोमे ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच के आदेश दिए हैं. जनपद पंचायत बैढ़न के सीईओ से विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई है और यह पता लगाया जा रहा है कि किन अधिकारियों की मिलीभगत से विधवा पेंशन स्वीकृत की गई. दोषी पाए जाने पर संबंधित कर्मचारियों और गलत जानकारी देने वाली महिला के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जा सकती है.

वेजिटेबल कटलेट

खाना-खजाना

सामग्री

- **सब्जियां-** 3 मध्यम आकार के उबले हुए आलू, 1/2 कप बारीक कटी गाजर, 1/4 कप उबले हुए मटर, 1/4 कप बारीक कटी बीन्स
- **बाइंडिंग के लिए-** 1/2 कप ब्रेड क्रम्ब्स (ब्रेड का चूरा) या 2 बड़े चम्मच पोहा
- **मसाले-** आधा चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट, आधा चम्मच चाट मसाला, थोड़ा सा भुना जीरा पाउडर, स्वादानुसार नमक और चुटकी भर लाल मिर्च (बच्चों के स्वाद के अनुसार)
- **कोटिंग के लिए-** 2 चम्मच कॉर्नफ्लोर का घोल और थोड़े ब्रेड क्रम्ब्स
- **तेल-** तलने या शैलो फ्राई करने के लिए

बनाने की विधि

सबसे पहले एक बड़े बर्तन में उबले हुए आलू को अच्छी तरह मैश कर लें। अब इसमें गाजर, बीन्स और मटर जैसी सभी बारीक कटी सब्जियां मिलाएं। सब्जियों को जितना छोटा काटेंगे, कटलेट उतने ही अच्छे बनेंगे।

इसके बाद तैयार मिश्रण में

अदरक-लहसुन का पेस्ट, चाट मसाला, जीरा पाउडर और नमक डालें। अब इसमें ब्रेड क्रम्ब्स या भीगा हुआ पोहा मिलाएं। यह नमी को सोख लेगा और कटलेट को टूटने से बचाएगा। सारी चीजों को आटे की तरह गूंथ लें।

अब हथेलियों पर थोड़ा सा तेल लगाएं और मिश्रण से छोटी-छोटी लोइयां लेकर उन्हें मनचाहा आकार दें। आप इन्हें गोल, ओवल या फिर हार्ट शेप के मोल्ड से काट सकते हैं। आकर्षक शेप देखकर बच्चे ज्यादा चाव से खाते हैं।

एक कटोरी में कॉर्नफ्लोर और पानी का पतला घोल बनाएं। तैयार कटलेट को पहले इस घोल में डुबोएं और फिर सूखे ब्रेड क्रम्ब्स में अच्छी तरह लपेटें। इससे कटलेट बाहर से बहुत ही कुरकुरे बनेंगे।

अब एक पैन में थोड़ा तेल गरम करें। बच्चों के लिए बना रहे हैं तो इसे डीप फ्राई करने के बजाय शैलो फ्राई करना बेहतर है। मध्यम आंच पर दोनों तरफ से सुनहरा और कुरकुरा होने तक सेक लें।

चिकन खाते समय हो जाएं सावधान !

चिकन खाने के शौकीन लोगों की कमी नहीं है, लेकिन सेहत के लिहाज़ से यह जानना बेहद ज़रूरी है कि चिकन के कौन-से पार्ट फायदेमंद हैं और किन हिस्सों को खाने से बचना चाहिए. कई बार स्वाद या आदत के चलते लोग चिकन के ऐसे हिस्से भी खा लेते हैं, जो शरीर के लिए नुकसानदायक साबित हो सकते हैं. गलत पार्ट का सेवन इंफेक्शन, कोलेस्ट्रॉल बढ़ने और पाचन से जुड़ी समस्याओं की वजह बन सकता है.

चिकन का सबसे ज़्यादा अवॉयड किया जाने वाला हिस्सा उसकी त्वचा (चिकन स्किन) है. चिकन स्किन में फैट और कैलोरी बहुत ज़्यादा होती है. इसमें सैचुरेटेड फैट की मात्रा अधिक होती है, जो लंबे समय तक सेवन करने पर वजन बढ़ाने, हार्ट डिज़ीज और हाई कोलेस्ट्रॉल का कारण बन सकती है. खासकर जो लोग वेट लॉस, डायबिटीज या दिल की बीमारी से जूझ रहे हैं, उन्हें चिकन स्किन बिल्कुल नहीं खानी चाहिए. तली हुई चिकन स्किन तो सेहत के लिए और भी ज्यादा नुकसानदायक होती है.

इसके अलावा चिकन का लिवर (कलेजी) भी सीमित मात्रा में ही खाना चाहिए. हालांकि इसमें आयरन और विटामिन A भरपूर होता है, लेकिन ज्यादा मात्रा में इसका सेवन शरीर में विटामिन A टॉक्सिसिटी पैदा कर सकता है. खासकर गर्भवती महिलाओं और बच्चों के लिए ज्यादा चिकन लिवर खाना नुकसानदायक माना जाता है. साथ ही, लिवर शरीर का डिटॉक्स अंग होता है, जिसमें

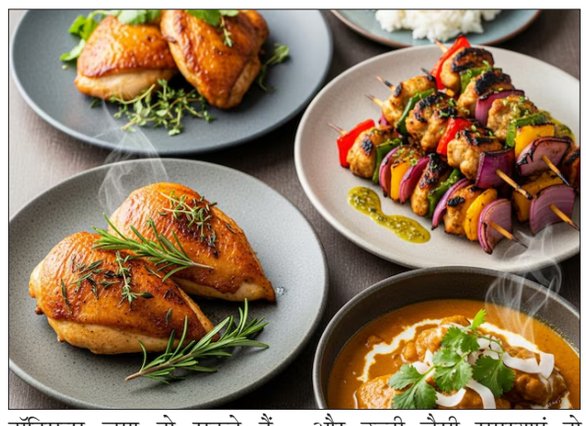

टॉक्सिन्स जमा हो सकते हैं, इसलिए इसे बार-बार खाने से बचना बेहतर है.

चिकन का गिज़ार्ड और आंतें भी सावधानी से खाने चाहिए. अगर इन्हें सही तरीके से साफ और अच्छी तरह पकाया न जाए, तो इनमें बैक्टीरिया पनप सकते हैं. इससे फूड पॉइजनिंग, पेट दर्द, दस्त और उल्टी जैसी समस्याएं हो सकती हैं. स्ट्रीट फूड या होटल में मिलने वाले ऐसे पार्ट्स पर ज्यादा भरोसा नहीं करना चाहिए, क्योंकि वहां सफाई का खास ध्यान नहीं रखा जाता. कुछ लोग चिकन का सिर और फेफड़े भी खाते हैं, लेकिन हेल्थ एक्सपर्ट्स इसके सेवन से बचने की सलाह देते हैं. इन हिस्सों में हेवी मेटल्स, बैक्टीरिया और पॉल्यूटेंट्स जमा होने की संभावना ज्यादा होती है. ये पार्ट्स शरीर में जाकर इम्यून सिस्टम को कमजोर कर सकते हैं और लंबे समय में नुकसान पहुंचा सकते हैं.

सबसे सुरक्षित चिकन ब्रेस्ट और चिकन लेग

सबसे सुरक्षित और हेल्दी माने जाते हैं चिकन ब्रेस्ट और चिकन लेग का लीन मीट, क्योंकि इनमें प्रोटीन ज्यादा और फैट कम होता है. इन्हें उबालकर, ग्रिल करके या हल्के मसालों में पकाकर खाना सेहत के लिए फायदेमंद रहता है. कुल मिलाकर, चिकन खाते समय सिर्फ स्वाद नहीं, बल्कि सेहत को भी प्राथमिकता दें. सही पार्ट चुनकर और संतुलित मात्रा में सेवन करने से चिकन आपकी डाइट का हेल्दी हिस्सा बन सकता है.

आज का राशिफल

मेष : प्रेम-प्रसंग में सफलता मिलेगी। बाहर सहायता से काम होंगे। प्रसन्नता रहेगी। संतान के संबंध में संतोष रहेगा। व्यावसायिक अथवा आजीविका संबंधी समस्या का समाधान हो सकेगा। पुरुषार्थ का पूर्ण फल मिलेगा। थकान रहेगी। शत्रु भय रहेगा।

वृषभ : संतान पक्ष की चिंता रहेगी। चोट व दुर्घटना से बचें। लेन-देन में सावधानी रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। खर्च का बोझ बढ़ेगा। किसी पर अत्यधिक भरोसा न करें। व्यापार, नौकरी में अड़चनें आने से मनोबल में कमी आ सकती है।

मिथुन : सुख के साधन जुटेंगे। भूमि व भवन की योजना बनेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। संतान की प्रगति होगी। व्यापार-व्यवसाय में प्रगतिकारक वातावरण का सृजन होगा। पारिवारिक स्थिति आनंददायक रहेगी। मन प्रफुल्लित रहेगा।

कर्क : विवाद व जल्दबाजी से बचें। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। प्रसन्नता रहेगी। स्वास्थ्य की ओर ध्यान दें। अधूरे काम समय से पूरे होने के योग हैं। नए कार्यों से लाभ के मार्ग प्रशस्त होंगे। धन का संग्रह होगा।

सिंह : यात्रा में सावधानी रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। दु:खद समाचार मिल सकता है। दौड़धूप अधिक होगी। वाणी पर संयम रखें। विरोधियों से सावधान रहें। परिवार की परेशानी का हल संभव है। भागीदारी के कामों में सफलता मिलेगी।

कन्या : प्रेम में सफलता मिलेगी। प्रयास सफल रहेंगे। रुके कार्यों में गति आएगी। मान-सम्मान मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक सुख एवं पत्नी के सहयोग से मन प्रसन्न रहेगा। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। किसी से बहस न करें। काम-धंधे में सफलता के शुभ संकेत हैं।

तुला : अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। जोखिम उठाएं। यात्रा मनोरंजक रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। धनार्जन होगा। सोच-समझकर कार्य करना लाभप्रद रहेगा। पुरुषार्थ सफल होगा। वाहन चलाते समय सावधानी रखना चाहिए। व्यापार में नवीन प्रस्ताव मिलेंगे।

वृश्चिक : अतिथियों का आवागमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। आत्मसम्मान बना रहेगा। सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभा सकेंगे। पारिवारिक सुख-शांति बरकरार रहेगी। जोखिम के कार्यों से दूर रहें। यात्रा होगी।

धनु : कुसंगति से बचें। फालतू खर्च होंगे। लेन-देन में सावधानी रखें। जोखिम व जमानत के कार्य बिलकुल न करें। संतान की गतिविधियों पर नजर रखना होगी। कामकाज का बोझ बढ़ने से व्यापार पर विपरीत असर हो सकता है। वाद-विवाद से दूर रहें।

मकर : लेनदारी वसूल होगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी। लाभ के अवसर मिलेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। राज्य एवं व्यवसाय के क्षेत्र में विशेष लाभ का योग है। आर्थिक उन्नति होगी। सामाजिक उत्तरदायित्व की पूर्ति करेंगे। ईश्वर के प्रति श्रद्धा बढ़ेगी।

कुंभ : तीर्थयात्रा हो सकती है। सत्संग का लाभ मिलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। वरिष्ठजनों का सहयोग मिलेगा। नवीन योजनाओं को क्रियान्वित करने के लिए दिन अच्छा होने की संभावना है। प्रेम-प्रसंग में सफलता मिलेगी। परिवार में मेल-मिलाप बढ़ेगा।

मीन : नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। रुके कार्यों में गति आएगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। माता के स्वास्थ्य की ओर ध्यान देना आवश्यक। पुराने रुके कामों, लेनदेन में सफलता की संभावना है। रोमांस में सफलता मिलेगी।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

सूखकर पत्थर बन जाती है कॉफी?

स्टोर करते समय रखें 5 बातों का ध्यान

क्या आपके साथ भी ऐसा होता है कि आप बाजार से महंगी कॉफी का जार लाए, दो-चार बार इस्तेमाल किया और फिर देखा तो वह जमकर पत्थर जैसी हो गई? यह हर कॉफी लवर का सबसे बड़ा दुख है। जब कॉफी पाउडर में गांठें पड़ जाती हैं या वह सख्त हो जाता है, तो न तो उसका स्वाद वैसा रहता है और न ही वह दूध में आसानी से घुलता है।
असल में, कॉफी की सबसे बड़ी दुश्मन 'नमी' है। जैसे ही कॉफी पाउडर हवा के संपर्क में आता है, वह नमी सोख लेता है और खराब होने लगता है, लेकिन घबराइए नहीं। सिर्फ कुछ छोटी-छोटी सावधानियां अपनाकर आप अपनी कॉफी को महीनों तक एकदम फ्रेश रख सकते हैं।

एयर-टाइट कंटेनर का ही इस्तेमाल करें

सबसे पहली और जरूरी बात- कॉफी को हमेशा ऐसे डिब्बे में रखें जिसका ढक्कन पूरी तरह से टाइट हो। अगर आप कॉफी पैकेट में खरीदते हैं, तो पैकेट खुलते ही उसे किसी कांच के एयर-टाइट जार में

पलट दें। प्लास्टिक के डिब्बों की तुलना में कांच के जार में कॉफी ज्यादा सुरक्षित रहती है और उसका अरोमा भी बरकरार रहता है।

गीली चम्मच का इस्तेमाल बिल्कुल न करें

अक्सर सुबह की जल्दबाजी में हम गीली या इस्तेमाल की हुई चम्मच कॉफी के डिब्बे में डाल देते हैं। याद रखें, पानी की एक बूंद भी पूरे जार को खराब करने के लिए काफी है। हमेशा सूखी और साफ चम्मच का ही इस्तेमाल करें। इस्तेमाल के तुरंत बाद ढक्कन बंद करना न भूलें।

'फ्रिज' में रखने की गलती न करें

बहुत से लोग कॉफी को फ्रेश रखने के लिए फ्रिज में रख देते हैं। यह तरीका गलत हो सकता है। जब आप ठंडी कॉफी को फ्रिज से बाहर निकालते हैं, तो तापमान बदलने की वजह से जार के अंदर नमी जमा हो जाती है, जिससे कॉफी जमने लगती है। कॉफी को हमेशा कमरे के तापमान पर ही स्टोर करें।

चावल के दानों वाला देसी नुस्खा

अगर आप ऐसी जगह रहते हैं जहां हवा में बहुत नमी है (जैसे बारिश के मौसम में), तो यह देसी नुस्खा बहुत काम आएगा। थोड़े से कच्चे चावल के दानों को एक टिशू पेपर या मलमल के कपड़े में बांधकर कॉफी के जार के तली में रख दें। चावल प्राकृतिक रूप से नमी सोख लेते हैं और आपकी कॉफी को सूखा रखते हैं।

सिल्वर फॉइल को न फेंकें

जब हम कॉफी का नया जार खोलते हैं, तो उसके ऊपर एक सिल्वर सील या फॉइल होती है। हम अक्सर उसे पूरा फाड़कर फेंक देते हैं। कोशिश करें कि उसे पूरा न हटाएं, बल्कि आधा ही खोलें। यह सील एक एक्स्ट्रा ढाल की तरह काम करती है जो हवा को सीधे पाउडर तक पहुंचने से रोकती है।

डायबिटीज के मरीजों को दिन में कितनी बार भोजन करना चाहिए?

डायबिटीज के मरीजों को अपनी डाइट पर विशेष ध्यान देना चाहिए. खान-पान में जरा सी गलती शुगर लेवल बढ़ा सकती है और इससे डायबिटीज मैनेजमेंट बिगड़ सकता है. शुगर के मरीज अक्सर यह सोचकर उलझन में रहते हैं कि उन्हें दिन में कितनी बार खाना चाहिए, ताकि ब्लड शुगर कंट्रोल में रहे. कई लोग दिन में एक मील लेते हैं, तो कुछ लोग 2 या 3 बार में पेट भरते हैं. हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो डायबिटीज में सिर्फ क्या खाया जाए ही जरूरी नहीं, बल्कि कितनी बार खाया जाए, यह भी उतना ही जरूरी होता है. इसमें लापरवाही करने से शुगर कंट्रोल बिगड़ सकता है.

गाजियाबाद के रंजना न्यूट्रीग्लो क्लीनिक की फाउंडर और डाइटिशियन रंजना सिंह ने बताया कि डायबिटीज के मरीजों को दिन में 2 बार हैवी मील्स लेने के बजाय 5 से 6 छोटे-छोटे मील्स लेने चाहिए. लंबे समय तक भूखे रहने या एक साथ ज्यादा खाने से ब्लड शुगर अचानक बढ़ या गिर सकता है. बार-बार लेकिन संतुलित मात्रा में खाने से शरीर को लगातार ऊर्जा मिलती रहती है और शुगर लेवल स्थिर बना रहता है. सुबह का नाश्ता

डायबिटीज मरीजों के लिए सबसे जरूरी मील माना जाता है. रात के लंबे फास्ट के बाद अगर नाश्ता स्किप किया जाए, तो ब्लड शुगर असंतुलित हो सकता है. नाश्ते में ओट्स, दलिया, अंडा, स्प्राउट्स या वेजिटेबल उपमा जैसे ऑप्शंस शामिल किए जा सकते हैं.

डाइटिशियन ने बताया कि दोपहर और रात के खाने के बीच हेल्दी स्नैक्स लेना भी फायदेमंद होता है. जैसे एक फल, मुट्ठी भर नट्स, छाछ या भुना चना. इससे अचानक भूख लगने और ओवरईटिंग से बचाव होता है. रात का खाना हल्का और सोने से कम से कम 2-3 घंटे पहले लेना चाहिए, ताकि शुगर लेवल रात में न बढ़े. इसके अलावा शुगरी ड्रिंक्स, रिफाइंड कार्ब्स और तले-भुने खाद्य पदार्थों से दूरी बनाना जरूरी है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

जिला पंचायत में वकील की गोली मारकर हत्या

रामपुर. यूपी के रामपुर में दिनदहाड़े वकील की गोली मारकर हत्या की खबर से सनसनी फैल गई। जिला पंचायत में तैनात बाबू ने अपनी सहकर्मी महिला बाबू के साथ अभद्रता की तो उसका अधिवक्ता पति शिकायत लेकर पहुंचा। जिला पंचायत में बाबू से विवाद होने के बाद उसने लाइसेंसी पिस्टल से गोली मारकर अधिवक्ता की हत्या कर दी। इतना ही नहीं उसने महिला सहकर्मी को भी पिस्टल की बट से मारकर घायल कर दिया। मौके पर पहुंचे अधिवक्ताओं ने जिला अस्पताल में तोड़फोड़ कर दी।

डीजे पर पत्नी ने डांस करने से मना किया, तो पति ने दे दी जान; तिलक समारोह में पसरा मातम

पीलीभीत. पीलीभीत जिले के फैजगंज बेहटा क्षेत्र के गांव सैंडोला में तिलक समारोह के दौरान पत्नी के साथ डीजे पर डांस करने को लेकर हुए विवाद के बाद एक युवक ने कथित तौर पर पेड़ पर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। जानकारी के अनुसार उघैती थाना क्षेत्र के गांव बरबारा निवासी 30 वर्षीय अनिल अपनी पत्नी प्रियंका और बच्चों के साथ साले सोनू के तिलक समारोह में शामिल होने सैंडोला गांव आया था। रविवार को घर में तिलक कार्यक्रम की तैयारियां चल रही थीं और परिवार तथा रिश्तेदार समारोह में व्यस्त थे। बताया जा रहा है कि डांस के दौरान उसने अपनी पत्नी प्रियंका पर भी साथ में डांस करने का दबाव बनाया। मना करने पर अनिल नाराज होकर वहां से चला गया और गांव के पास जंगल की ओर निकल गया। सोमवार सुबह गांव के बाहर जंगल में एक व्यक्ति का शव पेड़ से फंदे के सहारे लटका होने की सूचना ग्रामीणों ने पुलिस को दी।

इश्क की 'सनक' ने ली जान : शादी की जिद पर अड़ा युवक 120 फीट ऊंचे टावर से कूदा

कन्नौज. कन्नौज के गुरसहायगंज थाना क्षेत्र में बुधवार की सुबह एकतरफा प्यार में पागल एक युवक शादी की जिद को लेकर 120 फीट ऊंचे मोबाइल टावर पर चढ़ गया। घंटों चले हाई-वोल्टेज ड्रामे के बाद, जब उसकी जिद पूरी नहीं हुई तो उसने टावर के शिखर से मौत की छलांग लगा दी। अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही उसकी सांसें थम गईं। घटना पुराभोज गांव की है। यहां का रहने वाला सुमित (24) अपनी ही एक रिश्तेदार युवती से एकतरफा प्यार करता था। जानकारी के मुताबिक, सुमित उस युवती से शादी करने की जिद पर अड़ा था, लेकिन परिवार और युवती इसके लिए तैयार नहीं थे। चर्चा है कि युवती की बारात आगामी 12 फरवरी को आनी है। जैसे ही सुमित को पता चला कि उसकी कथित प्रेमिका किसी और की होने वाली है, वह अपना आपा खो बैठा और आत्मघाती कदम उठा लिया।

स्कूल में दवा खाते ही बेहोश होकर गिरने लगे बच्चे, 110 छात्र-छात्राएं बीमार

फर्रुखाबाद. यूपी में फर्रुखाबाद के जहानगंज क्षेत्र के मोईनुद्दीनपुर रठौरा गांव के जवाहरलाल प्रेमादेवी जूनियर हाईस्कूल में पेट के कीड़े की दवा खाने से 110 छात्र-छात्राओं की हालत बिगड़ गई। एक के बाद एक कई बच्चे गश खाकर गिरने लगे तो हड़कंप मच गया। परिषदीय विद्यालय में मंगलवार को 150 बच्चे आए थे। सीएचसी कमालगंज से प्रधानाध्यापक फूल सिंह पेट में कीड़े मारने की दवा लाए और दोपहर 12:30 बजे से एक बजे के बीच सभी कक्षाओं में जाकर बच्चों को दवा बांटी। 15 मिनट बाद ही कक्षा एक के प्रशांत, कक्षा चार के रितिक और आदित्य को चक्कर आने लगा और वे गश खाकर गिर पड़े। 61 बच्चों को लोहिया अस्पताल व 33 को सीएचसी कमालगंज ले जाया गया। सीएमओ डॉ. अवनींद्र कुमार ने बताया, एल्बेंडाजोल की गोली खाने से थोड़ी बहुत परेशानी हो जाती है।

भारत-US ट्रेड डील में भारत को और राहत

- दाल और 500 अरब डॉलर की खरीद भी जरूरी नहीं

अमेरिका ने भारत के साथ हुई हालिया ट्रेड डील पर जारी अपनी फैक्ट शीट में कई बड़े बदलाव किए हैं। पहले जिन बातों का साफ जिक्र था, अब उन्हें या तो हटा दिया गया है या उनकी भाषा बदली गई है।

पिछले हफ्ते दोनों देशों ने ट्रेड डील का ऐलान किया था। इसके बाद व्हाइट हाउस ने एक फैक्ट शीट जारी कर आगे की रूपरेखा बताई थी, लेकिन अब उसी दस्तावेज का नया वर्जन जारी हुआ है। सबसे बड़ा बदलाव दाल को लेकर है। पहले कहा गया था कि भारत अमेरिकी औद्योगिक और कृषि उत्पादों पर टैरिफ कम या खत्म करेगा, जिसमें दाल भी शामिल थी। अब नए दस्तावेज से दाल का जिक्र हटा लिया गया है।

500 अरब डॉलर की खरीद को लेकर भी भाषा बदली गई है। पहले लिखा था कि भारत, अमेरिका से 500 अरब डॉलर का सामान खरीदने के लिए 'कमिटेड' है। अब इसे बदलकर 'इरादा रखता है' कर दिया गया है।

डिजिटल सर्विस टैरिफ पर भी अमेरिका के रुख में नरमी

नए दस्तावेज में सिर्फ एनर्जी, सूचना और संचार तकनीक, कोयला और कुछ अन्य सामान की बात कही गई है। डिजिटल सर्विस टैरिफ पर भी अमेरिका ने नरमी दिखाई है। पहले कहा गया था कि भारत यह टैरिफ हटाएगा। अब सिर्फ इतना लिखा है कि भारत डिजिटल ट्रेड के नियमों पर बातचीत के लिए तैयार है।

अमेरिका ने भारत पर रूसी तेल इम्पोर्ट के कारण पेनल्टी के रूप में लगाए गए 25% टैरिफ को वापस करने का भी फैसला लिया है। इस फैसले से भारतीय कारोबारियों को 40 हजार करोड़ की राहत मिलने की उम्मीद है। व्हाइट हाउस आधिकारिक जानकारी के मुताबिक 27 अगस्त 2025 से लेकर 6 फरवरी 2026 के बीच अमेरिका द्वारा किए गए जिन इम्पोर्ट पर यह पेनल्टी लगी थी, उनका रिफंड दिया जाएगा।

यह रिफंड अमेरिका के कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन कानून के तहत जारी किया जाएगा। भारतीय निर्यातकों को कितना रिफंड मिलेगा, ये अभी तय नहीं है। क्योंकि रिफंड की राशि अमेरिकी इम्पोर्टर को दी जाएगी, फिर वे भारतीय एक्सपोर्टर के साथ बातचीत करके इस राशि का बंटवारा करेंगे।

पंजाब-दिल्ली को दहलाने की साजिश नाकाम

अमृतसर. अमृतसर में स्टेट स्पेशल ऑपरेशंस सेल ने पाकिस्तान समर्थित एक आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। कार्रवाई के दौरान एक रिमोट कंट्रोल आईईडी, एक विदेशी निर्मित पिस्तौल और भारी संख्या में जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। इस आईईडी का इस्तेमाल पंजाब और दिल्ली समेत कई राज्यों में हमलों के लिए किया जाना था।

पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। डीजीपी गौरव यादव ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर यह जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि बरामद आतंकी खेप सीमा पार से पाकिस्तान की ओर से भेजी गई थी।

अमेरिका ने हमारा इस्तेमाल किया -पाकिस्तानी रक्षा मंत्री

- मतलब निकलने पर टॉयलेट पेपर की तरह फेंका
- साथ देने की कीमत आज भी चुका रहे

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने बुधवार को संसद में कहा कि अमेरिका ने अपने फायदे के लिए पाकिस्तान का इस्तेमाल किया और काम निकलने के बाद उसे टॉयलेट पेपर की तरह फेंक दिया। पाकिस्तान रक्षा मंत्री ने कहा, हमने अफगानिस्तान में दो जंग लड़ीं। इसमें इस्लाम और मजहब के नाम पर हिस्सा लिया, लेकिन असल में दो सैन्य तानाशाहों (जिया-उल-हक और परवेज मुशर्रफ) ने वैश्विक ताकत का समर्थन पाने के लिए ऐसा किया।

उन्होंने 1979 में सोवियत संघ के हस्तक्षेप का जिक्र करते हुए कहा कि यह कदम अफगान सरकार के न्योते पर उठाया गया था, लेकिन अमेरिका ने इसे सीधा हमला बताकर अपनी तरह से नरेटिव तैयार किया।

आसिफ ने पाकिस्तान की अमेरिका के साथ 1999 के बाद हुई नई रणनीतिक साझेदारी पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि 11 सितंबर 2001 के हमलों के बाद अमेरिका के साथ खड़े होने की कीमत पाकिस्तान आज भी चुका रहा है।

आसिफ बोले- पाकिस्तान ने इतिहास से सबक नहीं सीखा

आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान ने इतिहास से सबक नहीं सीखा और अपने छोटे फायदे के लिए कभी अमेरिका, कभी रूस और कभी ब्रिटेन की ओर झुकता रहा। उन्होंने कहा कि अब इन देशों का यहां पहले से ज्यादा प्रभाव है, जो 30-40 साल पहले नहीं था।

उन्होंने यह भी माना कि पाकिस्तान का आतंकी इतिहास रहा है। आसिफ ने कहा कि अफगानिस्तान की दो जंगों में शामिल होना पाकिस्तान की बड़ी भूल थी और आज देश में जो आतंकवाद है, वह उन्हीं गलतियों का नतीजा है।

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के साथ गाली-गलौज

जबरदस्ती चेंबर में घुसे 25 कांग्रेस सांसद -किरण रिजिजू का बड़ा आरोप

नई दिल्ली. संसद के बजट सत्र में लगातार जारी हंगामे के बीच बुधवार को केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू ने कांग्रेस सांसदों पर बड़ा आरोप लगाया है। संसदीय मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा है कि कम से कम 20-25 कांग्रेस सांसद लोकसभा स्पीकर के चेंबर में घुस गए और उन्हें गालियां दीं। उन्होंने यह आरोप लगाए हैं कि इस दौरान प्रियंका गांधी वाड्रा और केसी वेणुगोपाल समेत कई सीनियर कांग्रेस नेता भी वहां मौजूद थे।

बुधवार को संसद परिसर में पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए किरन रिजिजू ने कहा, "स्पीकर साहब बहुत आहत हैं। मैंने उनसे बात की है। स्पीकर साहब के चेंबर में जाकर गाली गलौज किया, बुरा भला कहा। फिर स्पीकर साहब ने जो फैसला सुनाया उसको नहीं माने, और फिर राहुल गांधी कहते हैं कि उन्हें सदन में बोलने के लिए किसी की परमिशन नहीं चाहिए, वो मर्जी से बोलेंगे। ये सब रिकॉर्ड पर है। लेकिन सदन में चेयर की अनुमति के बिना नहीं बोल सकते।"

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा, "स्पीकर के चेंबर में 20,25 कांग्रेस के MPs जब घुसे, तो मैं भी वहां गया। उन्होंने जो गाली गलौज किया स्पीकर के साथ, वह मैं आपको बता नहीं सकता। स्पीकर बहुत नरम आदमी हैं। नहीं तो और कठोर कदम उठाया जा सकता था। यह कोई तरीका नहीं होता।" रिजिजू ने कहा, "जब स्पीकर को गाली दी जा रही थी तब वहां प्रियंका गांधी भी मौजूद थीं, वेणुगोपाल भी मौजूद थे, कांग्रेस के सीनियर नेता वहां मौजूद थे और इसे बढ़ावा दे रहे थे।"

केंद्रीय मंत्री ने माना-एपस्टीन से 3-4 मुलाकातें हुई

नई दिल्ली. केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बुधवार को कहा कि वह यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से तीन या चार बार मिले थे। यह बातचीत पूरी तरह से प्रोफेशनल थी, जो इंडिपेंडेंट कमीशन ऑन मल्टीलेटरलिज्म और दूसरे इंटरनेशनल कामों से जुड़ी थी।

पुरी ने बुधवार को नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के लोकसभा में एपस्टीन विवाद में उनका नाम लेने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने एपस्टीन के आपराधिक मामलों से अपना कोई संबंध होने के आरोपों को बेबुनियाद बताया। पुरी ने कहा, जब मैंने मई 2009 से न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में भारत के राजदूत के रूप में कार्यभार संभाला था, तब से लेकर 2017 में मंत्री बनने तक की अवधि के 30 लाख ईमेल जारी किए गए हैं। इस दौरान, केवल तीन या चार बैठकों का ही जिक्र मिलता है और मेरी बातचीत पूरी तरह से पेशेवर थी।

दरअसल, राहुल गांधी ने बुधवार को लोकसभा में एपस्टीन फाइल्स को लेकर पुरी का जिक्र किया था। उन्होंने कहा था- अनिल अंबानी को जेल क्यों नहीं हुई? क्योंकि उनका नाम एपस्टीन फाइल्स में है। मैं जानता हूं कि उनको एपस्टीन से किसने मिलवाया था। हरदीप पुरी भी जानते हैं कि किसने मिलवाया था।

हेल्थकेयर में भारत की बड़ी उपलब्धि

- एम्स दिल्ली बना दुनिया का छठा सर्वश्रेष्ठ अस्पताल
- टाटा मेमोरियल मुंबई 13वें स्थान पर

नई दिल्ली. भारत के हेल्थकेयर सेक्टर के लिए यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) दिल्ली को ब्रांड फाइनेंस की ग्लोबल टॉप 250 हॉस्पिटल रैंकिंग 2026 में दुनिया का छठा सर्वश्रेष्ठ अस्पताल घोषित किया गया है। इस उपलब्धि के साथ एम्स ने अमेरिका के जॉन्स हॉपकिंस मेडिसिन, ब्रिटेन के ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल्स और मायो क्लिनिक जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के बीच अपनी सशक्त पहचान दर्ज कराई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, एम्स को केयर परसेप्शन, ब्रांड वैल्यू, ब्रांड स्ट्रेंथ और वैश्विक प्रतिष्ठा जैसे पैमानों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर यह स्थान मिला है। खास बात यह रही कि एम्स का केयर स्कोर टॉप रैंक वाले अस्पताल से महज 1.1 अंक कम रहा, जो सीमित संसाधनों के बावजूद इसकी गुणवत्ता और भरोसे को दर्शाता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि एक सरकारी संस्थान का दुनिया के टॉप 10 में शामिल होना भारत की सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था की वैश्विक साख को नई ऊंचाई देता है। एम्स दिल्ली देश का प्रमुख तृतीयक स्वास्थ्य संस्थान है, जहां हर साल लाखों मरीज उपचार के लिए पहुंचते हैं। यहां अत्याधुनिक चिकित्सा सेवाएं, सुपर स्पेशियलिटी ट्रेनिंग और सैकड़ों शोध परियोजनाएं संचालित होती हैं।

टॉप 10 में भारत की दमदार उपस्थिति

रैंकिंग में पहले स्थान पर जॉन्स हॉपकिंस, दूसरे पर ऑक्सफोर्ड और तीसरे पर स्टैनफोर्ड मेडिकल सेंटर रहे। छठे स्थान पर एम्स नई दिल्ली और 13वें स्थान पर टाटा मेमोरियल सेंटर, मुंबई ने जगह बनाकर भारतीय हेल्थकेयर की वैश्विक ताकत साबित की है।

दिल्ली में तीन लोगों के मर्डर मामले में तांत्रिक गिरफ्तार

- धनवर्षा के नाम पर जहर मिले लड्डू खिलाए
- UP-राजस्थान में पहले भी 2 मर्डर केस

नई दिल्ली. दिल्ली के पश्चिम विहार इलाके में धनवर्षा (अचानक धन लाभ) का लालच देकर तीन लोगों की जहर देकर हत्या करने के आरोप में पुलिस ने एक तांत्रिक को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने तीन लोगों को जहर मिले लड्डू खिलाए और नकदी लेकर फरार हो गया था।

यह इस मामले में पहली गिरफ्तारी है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी की पहचान कमरुद्दीन उर्फ बाबा के रूप में हुई है। वह उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद का रहने वाला है और लोनी और फिरोजाबाद में तंत्र-मंत्र का सेंटर चलाता था।

दिल्ली के पीरागढ़ी फ्लाईओवर के पास 8 फरवरी को एक बंद कार के अंदर तीन लोगों के शव मिले थे। मृतकों की पहचान 76 साल के रणधीर, 47 साल के शिव नरेश सिंह और 40 साल की लक्ष्मी देवी के रूप में की गई। रणधीर ड्राइवर की सीट पर और बाकी दोनों पीछे की सीट पर बैठे थे। पुलिस ने बताया कि कमरुद्दीन करीब एक साल से तीनों मृतकों के संपर्क में था। CCTV फुटेज में उसे उसी दिन कार के बगल वाली सीट पर बैठे देखा गया था। इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस और लोकेशन डेटा से भी घटना में उसके शामिल होने की पुष्टि हुई है।

कार से शराब, कोल्ड ड्रिंक, कैश और दस्तावेज बरामद

डीसीपी (आउटर) सचिन शर्मा ने बताया कि पश्चिम विहार ईस्ट थाने में 8 फरवरी को PCR कॉल आई थी। सूचना थी कि एक कार में एक महिला सहित तीन लोग बेहोश पड़े हैं। पुलिस मौके पर पहुंची तो ड्राइविंग सीट पर एक बुजुर्ग बैठा मिला।

एक 42 साल के व्यक्ति को राहगीरों ने कार से बाहर निकाला हुआ था। करीब 40 साल की महिला कार के अंदर पड़ी थी। तीनों को संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

कार की तलाशी में शराब की बोतलें, कोल्ड ड्रिंक, खाली गिलास, मोबाइल फोन, कैश, हेलमेट, जैकेट, आधार कार्ड और अन्य दस्तावेज मिले। तीनों मृतक बापरौला, नगली डेयरी और जहांगीरपुरी के रहने वाले थे। परिजनों ने आत्महत्या से इनकार किया और मौत की परिस्थितियों पर शक जताया, जिसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की।

मुंबई इंडियंस ने विराट की टीम को नहीं दिया स्टेडियम

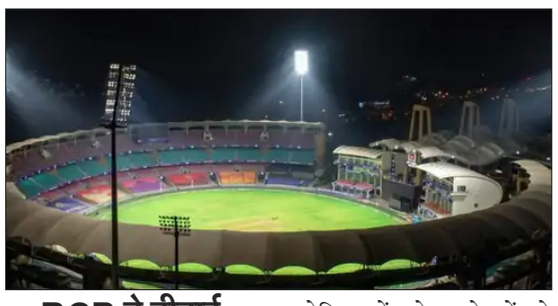

- RCB ने डीवाई पाटिल स्टेडियम की डिमांड की थी
- MI ने इनकार किया

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) IPL 2026 सीजन में नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम को अपना होम ग्राउंड नहीं बना पाएगी। मुंबई इंडियंस (MI) ने इस स्टेडियम के इस्तेमाल के लिए जरूरी मंजूरी देने से इनकार कर दिया है।

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, MI ने RCB को आवश्यक नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (NOC) जारी नहीं किया, जिसके कारण यह विकल्प फिलहाल खत्म हो गया है। दिग्गज भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली RCB टीम का हिस्सा हैं।

4 जून को बेंगलुरु में RCB के IPL विक्ट्री सेलिब्रेशन के दौरान हुई भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद राज्य सरकार ने चिन्नास्वामी स्टेडियम में बड़े आयोजनों को लेकर सख्त रुख अपनाया। इसी वजह से BCCI को विजय हजारे ट्रॉफी और विमेंस वर्ल्ड कप के कुछ मैच भी बेंगलुरु से बाहर शिफ्ट करने पड़े थे।

इसके बाद 17 जनवरी को कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (KSCA) को कर्नाटक सरकार से स्टेडियम में IPL और इंटरनेशन मुकाबलों की मेजबानी की मंजूरी मिल गई हैं। KSCA ने प्रेस नोट जारी कर इसकी जानकारी दी थी। हालांकि फिर कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया था कि RCB खुद अब चिन्नास्वामी स्टेडियम में अपने मैच नहीं कराना चाहती है। इसी वजह से RCB अभी भी IPL 2026 में अपने मैचों की मेजबानी के लिए मैदान की तलाश कर रही है।

अगर कोई फ्रेंचाइजी किसी दूसरी फ्रेंचाइजी के होम ग्राउंड के पास अपना होम बेस बनाना चाहती है, तो उसे उस फ्रेंचाइजी से मंजूरी लेनी होती है। वानखेड़े स्टेडियम और डीवाई पाटिल स्टेडियम ज्यादा दूर नहीं हैं।

बस में जिंदा जला कंडक्टर

- मच्छरों ने किया परेशान तो अगरबत्ती जलाकर सो गया था!

नई दिल्ली. दिल्ली के विकासपुरी में एक प्राइवेट बस में आग लगने की वजह से 25 वर्षीय हेल्पर की मौत हो गई। पुलिस को संदेह है कि आग लगने की वजह अगरबत्ती है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि मृतक का नाम सुनील है वह रात में बस में ही सोता था। इस दौरान मच्छरों को भगाने के लिए अगरबत्ती जलाता था।

पुलिस के मुताबिक मामले में अभी जांच जारी है लेकिन शुरुआती जांच में आग की वजह अगरबत्ती को माना जा रहा है।

पुलिस का मानना है कि आग अगरबत्ती से लगी और धीरे-धीरे पूरी बस को अपने चपेट में ले लिया। आग इतनी तेज थी कि सुनील को बाहर निकलने तक का मौका नहीं मिल सका।

सुनील के जले हुए शव को दीन दयाल उपाध्याय (डीडीयू) अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे पोस्टमार्टम के लिए रखा गया है। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि बस में लगी आग इतनी भयंकर थी कि जब तक दमकलकर्मी वहां पहुंचे पूरी बस जल चुकी थी।

कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया और सुनील के शव को बाहर निकाला गया।

बस का रजिस्ट्रेशन नंबर हरियाणा का

आपको बता दें कि बस का मालिक विजय कुमार (46) है और बस का रजिस्ट्रेशन नंबर हरियाणा का था। फिलहाल मामले में पुलिस ये पता लगाने में लगी है कि अगरबत्ती ही आग लगने की असल वजह थी या फिर कोई तकनीकी खराबी के चलते ऐसा हुआ।

पंजाब में लॉ छात्रा की हत्या कर सुसाइड किया

तरनतारन. पंजाब के तरनतारन स्थित लॉ कॉलेज में सोमवार को छात्र ने क्लासरूम में घुसकर छात्रा की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने वहीं पर खुद को भी गोली मारकर सुसाइड कर लिया। मृतक छात्रा संदीप कौर (20) है, वह लॉ कॉलेज में फर्स्ट ईयर की स्टूडेंट थी। वहीं आरोपी छात्र तरनतारन का प्रिंसराज सिंह है, वह भी छात्रा के साथ पढ़ता था। पुलिस ने लॉ कॉलेज को सील कर दिया है, साथ ही हत्या के कारणों की जांच कर रही है।

वहीं लड़की की मां ने आरोप लगाया कि कॉलेज से उन्हें कहा गया कि छोटा सा झगड़ा हुआ और उनकी बेटी को चोट लगी है। वह कॉलेज पहुंचे तो बेटी मरी पड़ी थी।

सीबीएसई 12वीं की 1 करोड़ कॉपियां डिजिटली चेक होंगी

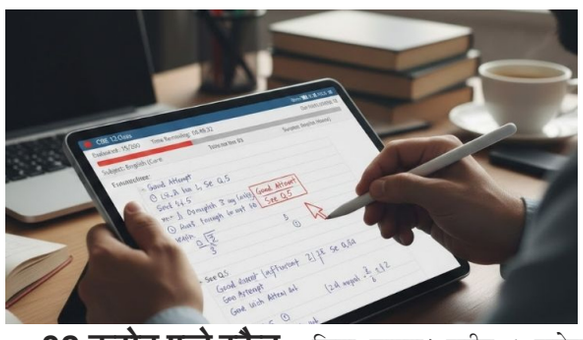

- 32 करोड़ पन्ने स्कैन करके अपलोड होंगे
- 17 फरवरी से 10 अप्रैल तक है बोर्ड एग्जाम

नई दिल्ली. इस बार सीबीएसई 12वीं के 17 लाख से ज्यादा स्टूडेंट्स की कॉपियां ऑन स्क्रीन मार्किंग सिस्टम से जांची जाएंगी। मतलब ये कि इन्हें डिजिटल तरीके से जांचा जाएगा। सीबीएसई 12वीं की बोर्ड परीक्षा 17 फरवरी से 10 अप्रैल तक होनी है।

इसके लिए हर छात्र की सभी आंसर शीट्स (उत्तरपुस्तिका) के हर पन्ने को परीक्षा केंद्र में ही स्कैन करके कंप्यूटर सिस्टम में अपलोड किया जाएगा। करीब 1 करोड़ कॉपियों के लगभग 32 करोड़ पन्ने स्कैन करके अपलोड होंगे। परीक्षक इन डिजिटल कॉपियों की जांच करके ही नंबर देंगे।

10वीं बोर्ड परीक्षाओं की कॉपियों की चेकिंग पहले की तरह कागज पर ही होगी। सीबीएसई के परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज के मुताबिक इस नई व्यवस्था से उत्तर पुस्तिकाओं के ट्रांसपोर्ट में लगने वाला समय और खर्च बचेगा।

शिक्षक अपने स्कूल में रहते हुए ही मूल्यांकन कर सकेंगे, बच्चों की नियमित पढ़ाई प्रभावित नहीं होगी। मूल्यांकन को अधिक पारदर्शी, तेज और गलतीरहित बनाने के मकसद से बोर्ड ने यह प्रणाली लागू करने का फैसला लिया है।

कंप्यूटर लैब अनिवार्य, शिक्षकों को ट्रेनिंग दी जाएगी

डिजिटल चेकिंग के लिए स्कूल में कंप्यूटर लैब अनिवार्य है। लेटेस्ट इंटरनेट ब्राउजर, एडोब रीडर, कम से कम 2 एमबीपीएस की स्थिर इंटरनेट स्पीड, निर्बाध बिजली सुनिश्चित करनी होगी।
वहीं, सभी ओएसिस आईडी वाले शिक्षकों को प्रशिक्षण मिलेगा। कई बार ड्राई रन होंगे। समस्या समाधान के लिए कॉल सेंटर बनाए जा रहे हैं। बोर्ड निर्देशात्मक वीडियो भी जारी कर रहा है।

फरीदाबाद जेल में आतंकी अब्दुल रहमान की हत्या

- राम मंदिर उड़ाने की साजिश रची थी
- हमलावर और अब्दुल एक ही बैरक में थे

फरीदाबाद. हरियाणा की फरीदाबाद जेल में बंद आतंकी अब्दुल रहमान की हत्या कर दी गई है। रविवार देर रात जेल में मर्डर केस में बंद अरुण चौधरी उर्फ अब्बू जट नाम के कैदी ने उस पर नुकीली चीज से हमला किया। दोनों को हाई सिक्योरिटी वाली बैरक में एक साथ बंद किया गया था।

कत्ल का पता चलते ही जेल अधिकारी बैरक में पहुंचे। इसके बाद आतंकी की लाश को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया गया। 20 साल के आतंकी अब्दुल को गुजरात ATS ने मार्च 2025 में पकड़ा था। जांच में पता चला कि वह अलकायदा इन इंडियन सब-कांटिनेंट (AQIS) के कुख्यात आतंकी अबू सूफियान के संपर्क में था। उसने अयोध्या में राम मंदिर उड़ाने की साजिश रची थी।

वहीं कत्ल करने वाला कैदी अरुण चौधरी का नाम भी चर्चित अक्षय शर्मा हत्याकांड में आया था। उसे पंजाब में हुई मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद 2 साल पहले ही उसे कठुआ जेल से फरीदाबाद की इस नीमका जेल में शिफ्ट किया गया था।

सांबा में अक्षय शर्मा हत्याकांड से चर्चा में आया: आतंकी की हत्या करने वाला अरुण चौधरी जम्मू जिले के आरएस पुरा सेक्टर के गांव खौर देओनियन का रहने वाला है। उसका नाम दिसंबर 2023 में हुए सांबा निवासी अक्षय शर्मा हत्याकांड के बाद चर्चा में आया था। वर्ष 2023 में पंजाब में हुई मुठभेड़ के बाद अरुण चौधरी को गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तारी के बाद अरुण को कठुआ जेल में रखा गया था।

अरुण पर हत्या और रंगदारी मांगने के मामले भी दर्ज है। वर्ष 2024 में ही इंस्टाग्राम पर लाइव आकर अरुण ने कठुआ जेल प्रशासन पर रिश्वत लेने के आरोप लगाए गए थे। जेल प्रशासन पर फोन और सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए वीडियो वायरल करके दो लाख लेने के आरोप लगाए थे।

जम्मू की कठुआ जेल से ट्रांसफर किया गया: इसके बाद अरुण चौधरी उर्फ अब्बू जट अक्टूबर 2024 में जम्मू की कठुआ जेल से नीमका में ट्रांसफर किया गया था। अरुण चौधरी को अति विशेष सुरक्षा सेल में रखा गया था। अब्दुल रहमान को भी इसी सेल में रखा गया था।

संक्षेप...

रेप के दोषी ने महात्मा गांधी पर लिखा निबंध

बॉम्बे हाईकोर्ट ने कम कर दी सजा

मुंबई. बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक नाबालिग लड़की से रेप के दोषी एक आरोपी की उम्रकैद की सजा घटाकर 12 साल कर दी है. कोर्ट ने उसकी कम उम्र, लंबे समय तक जेल में रहने और जेल में सुधार की कोशिशों को ध्यान में रखते हुए यह सजा दी है. सुधार की कोशिशों में महात्मा गांधी पर एक निबंध कार्यक्रम में हिस्सा लेना भी शामिल है. जस्टिस सारंग कोटवाल और जस्टिस संदेश पाटिल की बेंच ने 2 फरवरी के अपने आदेश में 2016 के जुर्म में आदमी की सजा को बरकरार रखा, लेकिन कहा कि उसे दी गई उम्रकैद की सजा कम की जानी चाहिए. बेंच ने यह आदेश दोषी की अपील पर दिया, जिसमें उसने स्पेशल पॉक्सो कोर्ट द्वारा दी गई उम्रकैद की सजा को चुनौती दी थी. अदालत ने कहा कि अपराध के समय दोषी की उम्र 20 साल थी, उसका कोई पिछला आपराधिक रिकॉर्ड नहीं था, वह दिसंबर 2016 से हिरासत में था.

44 साल बाद BMC में भाजपा राज

- महापौर रितु तावड़े ने संभाला पद

मुंबई. देश के सबसे अमीर नगर निकाय मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) को लंबे इंतजार के बाद आज नई मेयर (महापौर) मिल गई है। भारतीय जनता पार्टी की पार्षद रितु तावडे बुधवार को मुंबई की 78वीं महापौर निर्वाचित हुईं, जबकि शिवसेना के संजय घाडी उपमहापौर चुने गए। दोनों का चयन बीएमसी की विशेष आम सभा में निर्विरोध हुआ।

बीएमसी मुख्यालय में चुनाव प्रक्रिया पूरी होते ही सत्ता और विपक्ष के पार्षदों के बीच जोरदार नारेबाजी देखने को मिली। इसी माहौल में रितु तावडे ने आधिकारिक रूप से बीएमसी मेयर का पद संभाला। समारोह में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे मौजूद रहे। दोनों नेताओं ने नव-निर्वाचित महापौर और उपमहापौर को शुभकामनाएं दीं।

रितु तावडे के महापौर बनने के साथ ही भाजपा ने 44 वर्षों के बाद बीएमसी में मेयर पद पर कब्जा किया है। वह मुंबई में भाजपा की अब तक की दूसरी महापौर हैं। यह जीत पार्टी के लिए राजनीतिक रूप से अहम मानी जा रही है।

15 जनवरी को हुए मुंबई महानगरपालिका के चुनाव में तावडे मुंबई के वार्ड 132 से और संजय घाडी वार्ड 5 से पार्षद निर्वाचित हुए थे। पिछले तीन वर्षों से बीएमसी चुनाव लंबित होने के कारण बीएमसी आयुक्त भूषण गगराणी मार्च 2022 से नगर निकाय का कामकाज संभाल रहे थे। अब निर्वाचित नेतृत्व के साथ मुंबई नगर निगम (BMC) की कार्यप्रणाली में नई दिशा की उम्मीद जताई जा रही है।

मुख्यमंत्री ने रितु तावडे को एक अनुभवी नेता और असली मराठी चेहरा बताया। उन्होंने कहा कि तावडे ने पहले भी मुंबईकरों के मुद्दों पर आक्रामक और स्पष्ट भूमिका निभाई है। महायुति सरकार ने मुंबई के विकास का जो कार्यक्रम शुरू किया है, उसे महानगरपालिका के माध्यम से और अधिक प्रभावी तरीके से आगे बढ़ाया जाएगा।

फडणवीस ने यह भी कहा कि उपमहापौर के रूप में वरिष्ठ और अनुभवी शिवसैनिक संजय घाडी की भूमिका भी अहम रहेगी। उनके अनुभव का लाभ निश्चित रूप से प्रशासन को मिलेगा। उन्होंने कहा कि हिंदुहृदयसम्राट बालासाहेब की जन्मशताब्दी वर्ष के अवसर पर महानगरपालिका में वैसा ही प्रशासन देने का प्रयास किया जाएगा, जैसा वह चाहते थे। उन्होंने भरोसा जताया कि महापौर, उपमहापौर और सभी पार्षद (नगरसेवक) मिलकर नगर निकाय को मजबूत नेतृत्व देंगे और आम लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरेंगे। महायुति सरकार पूरी ताकत से उनके साथ खड़ी रहेगी।

बालासाहेब जैसा चाहते थे वैसा ही काम होगा

शपथ समारोह के बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मीडिया से बातचीत करते हुए नई महापौर रितु तावडे को बधाई दी। उन्होंने कहा कि महापौर, उपमहापौर और सभी पदाधिकारी मिलकर मुंबई महानगरपालिका को नई दिशा देंगे और आम मुंबईकरों के सपनों को पूरा करने का काम करेंगे। फडणवीस ने कहा कि उन्हें बेहद खुशी है कि एक बार फिर मुंबई महानगरपालिका में शिवसेना-भाजपा गठबंधन के सदस्य महापौर और उपमहापौर पद पर आसीन हुए हैं। महापौर के रूप में रितु तावडे और उपमहापौर के रूप में संजय घाडी महायुति के मजबूत स्तंभ हैं। हमने मुंबई की जनता से लोकाभिमुख और पारदर्शी प्रशासन का वादा किया था और आज का यह शपथ ग्रहण उसी जनसमर्थन के अनुरूप है।

बीएमसी में किसके कितने पार्षद?

हाल में हुए 227 वार्ड के चुनाव में भाजपा 89 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। शिवसेना शिंदे गुट को 29 सीटें मिलीं। सत्तारूढ़ गठबंधन के कुल पार्षदों की संख्या 118 रही, जो बहुमत के 114 के आंकड़े से अधिक है। वहीं, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) को 65 सीटें मिलीं। उसकी सहयोगी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) को 6 सीट हासिल हुई। वंचित बहुजन अघाड़ी (VBA) के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस को 24 सीटें मिलीं। वहीं ओवैसी की एआईएमआईएम ने 8, अजित पवार की एनसीपी को 3, समाजवादी पार्टी (सपा) को दो और एनसीपी (शरद पवार गुट) को एक सीट पर जीत मिली।

11.60 लाख की एमडी के साथ आरोपी गिरफ्तार

भिवंडी. ठाणे ग्रामीण पुलिस अंतर्गत स्थानीय अपराध शाखा की भिवंडी टीम द्वारा की गई कार्रवाई में एक आरोपी को हिरासत में लेकर उसके पास से 58 ग्राम एमडी (मादक पदार्थ) जब्त किया है, जिसकी कीमत 11 लाख 60 हजार रुपये बताई जा रही है।

इसके अलावा अन्य सामान सहित कुल 12 लाख 52 हजार 100 रुपये का माल जब्त किया गया है। गिरफ्तार आरोपी का नाम मोहम्मद परवेज उर्फ सुफियान मोहम्मद सुल्तान अंसारी (निवासी भिवंडी) है। पुलिस द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार स्थानीय अपराध शाखा भिवंडी टीम के पुलिस हवलदार हनुमान गायकवाड़ को एक गुप्त मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक संदिग्ध व्यक्ति मादक पदार्थ की बिक्री के लिए आने वाला है। इस सूचना के आधार पर सहायक पुलिस निरीक्षक सतीश पाटिल, पुलिस उपनिरीक्षक रोहन शेलार तथा पुलिस टीम के सदस्य हनुमान गायकवाड़, उमेश ठाकरे, सुहास सोनवणे, आबिद अली सैयद, जितेंद्र वारके और जयेश मुकादम ने पोगांव इलाके में जाल बिछाया।

जैसे ही संदिग्ध मोहम्मद परवेज उर्फ सुफियान अंसारी वहां पहुंचा। तलाशी के दौरान उसके पास से एमडी मादक पदार्थ, नकद राशि, मोबाइल फोन, वजन करने का कांटा सहित अन्य सामग्री बरामद की।

आबादी बढ़ी, ट्रैफिक सिस्टम लिमिटेड

विधायक संजय केलकर ने दौरा कर अधिकारियों को दिए सुझाव

ठाणे. पिछले कुछ सालों में बालकुम इलाके में बड़े हाउसिंग कॉम्प्लेक्स बनने की वजह से आबादी बढ़ी गाड़ियों की संख्या बढ़ी है, लेकिन उसके मुकाबले ट्रैफिक सिस्टम लिमिटेड ही रहा। जिससे नागरिकों की परेशानियां बढ़ी और छोटे-बड़े एक्सीडेंट भी बढ़े हैं। इस बारे में विधायक संजय केलकर ने ट्रैफिक विभाग,मनपा अधिकारियों और एमएमआरडीए अधिकारियों का इंस्पेक्शन किया और ज़रूरी बदलाव सुझाव देते हुए इसे समय पर लागू करने के सख्त निर्देश दिए।बालकुम इलाके में पीरामल वैकुंठ, दोस्ती वेस्ट काउंटी, रुनवाल गार्डन सिटी, कल्पतरु, लोढ़ा अमारा जैसे बड़े हाउसिंग कॉम्प्लेक्स बनने की वजह से आबादी तेज़ी से बढ़ी है, और उसके मुकाबले गाड़ियों की संख्या भी बढ़ी है। लेकिन, इस आबादी के मुकाबले यहां का ट्रैफिक सिस्टम लिमिटेड ही रहा है। इसका खामियाजा जहां पैदल चलने वालों और वाहन चालकों को भुगतना पड़ रहा है, वहीं दुर्घटनाओं की संख्या भी बढ़ने लगी है। ठाणे शहर के विधायक संजय केलकर ने हाल ही में इस क्षेत्र में पुराने मुंबई-आगरा मार्ग का निरीक्षण किया। इस अवसर पर ट्रैफिक विभाग के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक श्री सोंडे, ठाणे मनपा के लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता संजय कदम और एमएमआरडीए के अभियंता रितेश पाटिल उपस्थित थे।पुराने मुंबई-आगरा मार्ग के दोनों ओर स्कूल हैं और बालकुम पाड़ा एक में मनपा का स्वास्थ्य केंद्र और प्रसूति अस्पताल है। गर्भवती महिलाओं और अन्य पैदल चलने वालों, विशेषकर बुजुर्गों और बच्चों को यहां स्वास्थ्य जांच कराने के लिए जान हथेली पर रखकर सड़क पार करनी पड़ती है। साथ ही इस सड़क पर आने-जाने वाले भारी वाहनों के कारण काफी यातायात जाम होता है। चौक क्षेत्र में कई दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं।

इसलिए अगर यहां सिग्नल प्रणाली लगाकर सड़क को चौड़ा किया जाए तो यातायात जाम की समस्या भी हल हो जाएगी।इस समय अलकेश कदम, तन्मय भोईर, राम भोईर, रविराज रेड्डी सहित अन्य लोगों की उपस्थिति रहीं।

सेंट्रल रेलवे को बीएमसी ने थमाया नोटिस

मुंबई. शहर में बढ़ते वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए बनाए गए नियमों का उल्लंघन करने पर बीएमसी के पर्यावरण विभाग ने सेंट्रल रेलवे को नोटिस जारी किया है. बीएमसी अधिकारियों के मुताबिक, मुलुंड में स्थित सेंट्रल रेलवे के सीमेंट गोदाम में तय मानकों का पालन नहीं किया जा रहा, जिससे आसपास के इलाकों में रहने वाले लोगों को गंभीर दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है.

अधिकारियों का कहना है कि गोदाम में सीमेंट की लोडिंग और अनलोडिंग के दौरान उड़ने वाली धूल से स्थानीय निवासियों को सांस लेने में परेशानी हो रही है. मुलुंड ईस्ट में मौजूद सेंट्रल रेलवे का यह गुड्स शेड रेलवे के निर्माण कार्यों के लिए इस्तेमाल होने वाले मटेरियल का प्रमुख केंद्र है।. यहीं से बड़ी मात्रा में सीमेंट रेलवे की अलग-अलग निर्माणाधीन स्थलों पर भेजा जाता है. बीएमसी की विशेष टीम द्वारा किए गए निरीक्षण में सामने आया कि इस परिसर में वायु गुणवत्ता से जुड़े कई अहम नियमों की अनदेखी की जा रही है.

'हाथी रोग' को खत्म करने भिवंडी तालुका में उपचार मुहिम

- भिवंडी तालुका में हाथी रोग निर्मूलन अभियान शुरू
- जागरूकता के लिए हेल्थ वैन को हरी झंडी

ठाणे. महाराष्ट्र राज्य सरकार 'हाथी रोग' (एलीफेंटियासिस) को खत्म करने के लिए कमिटेड है और इसी के तहत, 10 फरवरी से 23 फरवरी, 2026 तक राज्य के छह जिलों के 16 तालुका में एक यूनिवर्सल ड्रग कैंपेन (MDA) चलाया जाएगा। इस कैंपेन के तहत जागरूकता के लिए भिवंडी तालुका में एक मोबाइल हेल्थ जागरूकता वैन का इस्तेमाल किया जा रहा है। इस वैन का उद्घाटन और हरी झंडी मुख्य कार्यकारी अधिकारी रंजीत यादव ने दिखाई। यह कैंपेन डिस्ट्रिक्ट हेल्थ ऑफिसर ऑफिस, ठाणे और गोदरेज एंबेड – FHI इंस्टीट्यूट के सहयोग से चलाया जा रहा है।

इस अवसर पर उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी अविनाश फड़तारे, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गंगाधर पारगे, अतिरिक्त जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दिनेश सुतार, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संतोषी शिंदे, जिला मातृ एवं शिशु कल्याण अधिकारी डॉ. स्वाति शिंदे, जिला आयुष अधिकारी डॉ. बालाजी गावड़े, जिला विस्तार व मीडिया अधिकारी संजय जाधव, जनसंपर्क अधिकारी रेशमा अरोटे व अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

इस अभियान के तहत स्वास्थ्य कार्यकर्ता घर-घर जाकर नागरिकों को हाथीपांव की दवाइयां वितरित करेंगे। ठाणे जिले में यह अभियान भिवंडी तालुका में जिला कलेक्टर ठाणे डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल व मुख्य कार्यकारी अधिकारी रणजीत यादव के मार्गदर्शन में चलाया जा रहा है और जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गंगाधर पारगे व जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संतोषी शिंदे की देखरेख में तकनीकी योजना बनाई जा रही है। इस अभियान के तहत कुल 7 लाख 12 हजार 49 पात्र लाभार्थियों को हाथीपांव की दवाइयां देने का लक्ष्य रखा गया है। डिस्ट्रिक्ट हेल्थ ऑफिसर डॉ. संतोषी शिंदे ने ज़्यादा से ज़्यादा लोगों से इस कैंपेन में हिस्सा लेने और हेल्थ डिपार्टमेंट का साथ देने की अपील की है।

पहले हुई परीक्षा, फिर बदले नियम

- इंजीनियरिंग के 3 हजार विद्यार्थियों को झटका
- विद्यार्थियों ने सीनेट सदस्य से लगाई गुहार जल्द ही उपकुलपति से करेंगे मुलाकात

कल्याण. इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों ने एनईपी के अनुसार परीक्षा दी थी, लेकिन परीक्षा देने के दो दिन बाद ही पास होने का नियम बदल दिया गया। इसका असर कल्याण के लगभग 3 हजार विद्यार्थियों पर पड़ा है। उन्हें दूसरे वर्ष में प्रवेश नहीं मिल पाया है। इन विद्यार्थियों ने बुधवार को सीनेट सदस्य अल्पेश भोईर से मुलाकात की। विद्यार्थियों ने दूसरे वर्ष में प्रोविजनल प्रवेश देने की मांग की है। इस संदर्भ में सीनेट सदस्य भोईर कल मुंबई विश्वविद्यालय के उपकुलपति से मुलाकात करेंगे।

विद्यार्थी शाश्वत लोखंडे ने बताया कि उन्होंने 26 मई 2025 को इंजीनियरिंग की परीक्षा दी थी। यह परीक्षा एनईपी नीति के अनुसार आयोजित की गई थी। परीक्षा के दो दिन बाद यानी 28 मई 2025 को पासिंग का नियम बदल दिया गया। पहले पांच प्लस तीन का नियम था, जिसे बदलकर क्रेडिट स्कोर कर दिया गया। बदले हुए पासिंग नियम के अनुसार विद्यार्थियों को परीक्षा की तैयारी करने का मौका ही नहीं मिला। विद्यार्थियों को परीक्षा देने के दो दिन बाद इस बदलाव की जानकारी दी गई। इसके कारण उन्हें दूसरे वर्ष में प्रवेश नहीं मिल पाया। विद्यार्थी सितंबर से प्रवेश लेने के लिए प्रयास कर रहे हैं, लेकिन उन्हें प्रवेश नहीं दिया गया। इसका असर लगभग 3 हजार विद्यार्थियों पर पड़ा है। इससे उनके शैक्षणिक भविष्य पर प्रश्नचिन्ह खड़ा हो गया है। इसलिए विद्यार्थियों ने प्रोविजनल प्रवेश देने की मांग की है, ताकि उनका शैक्षणिक वर्ष खराब न हो। इस संबंध में मार्च महीने में बैठक होने वाली है। जब जीआर जारी किया जाएगा, तब प्रोविजनल प्रवेश को नियमित करने की मांग विद्यार्थियों ने की है। सीनेट सदस्य भोईर ने विद्यार्थियों की बात सुनी। विद्यार्थियों ने उन्हें एक निवेदन दिया और विश्वविद्यालय के साथ किए गए पत्राचार के दस्तावेज भी सौंपे। भोईर ने बताया कि विद्यार्थियों का शैक्षणिक नुकसान न हो, इसके लिए गुरुवार को ही उपकुलपति से मुलाकात की जाएगी।

भिवंडी के रामेश्वर मंदिर में अखंड हरिनाम सप्ताह शुरू

भिवंडी. भिवंडी शहर के प्राचीन रामेश्वर मंदिर में महाशिवरात्रि त्योहार के मौके पर अखंड हरिनाम सप्ताह और महाप्रसाद का आयोजन किया गया है. भक्तों से हरिनाम सप्ताह कार्यक्रम में शामिल होने और महाप्रसाद का लाभ उठाने की अपील की है।

भिवंडी शहर के कप कनेरी शहरी इलाके में स्थित प्राचीन रामेश्वर मंदिर में महाशिवरात्रि त्योहार के मौके पर सोमवार 9 से 13 फरवरी 2026 तक अखंड हरिनाम सप्ताह शुरू हुआ और मंदिर को फूलों और बिजली की लाइटिंग से

सजाया गया है। इस मौके पर सुबह मंदिर में कलश स्थापना और सत्यनारायण की महापूजा, अभिषेक और महाप्रसाद बांटने के साथ कार्यक्रम शुरू हुआ। अखंड हरिनाम सप्ताह के अवसर पर प्रख्यात हबाप सुभाष महाराज म्हस्के, गणेश महाराज पुलकुंठवार, नरहरि महाराज सांगले, श्रीहरि प्रकाशराव अलंडकर महाराज, शिवचरित्रकार किशोर महाराज कोकाटे, प्राचार्य डॉ. मंदिर के ट्रस्टी अशोक कुमार फड़तरे और भूषण रोकड़े ने बताया कि प्रख्यात महाराज गजानन महाराज वाव्हल, भागवताचार्य संजय महाराज कवले के कीर्तन और प्रवचन का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। हर दिन शाम 5 से 6 बजे तक प्रवचन और रात 9 से 11 बजे तक कीर्तन कार्यक्रम होंगे, इसलिए ट्रस्टी अशोक अण्णा खामकर, सुभाष माने, भरत सकपाल, वासुदेव खामकर ने नागरिकों से बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील की है। इस मंदिर में पिछले 59 वर्षों से अखंड हरिनाम सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। महाशिवरात्रि के अवसर पर शहर में भगवान रामेश्वर की पालकी यात्रा भी निकाली जाएगी। रामेश्वर मंदिर ट्रस्ट ट्रस्ट बोर्ड की ओर से प्रेसिडेंट अशोक कुमार फड़तरे, सयाजी मोरे, लक्ष्मण लगड़, डॉ. नूतन मोकाशी, वसंत पाटिल, भरत सकपाल, वासुदेव खामकर, अनिल फड़तारे और अन्य गणमान्य लोगों ने भक्तों से इस प्रोग्राम में शामिल होकर महाप्रसाद कीर्तन और प्रवचन का लाभ उठाने की अपील की है।

श्रेयस तलपड़े के खिलाफ धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज

- 12 अन्य लोगों के नाम भी शामिल
- आरोप- निवेश की आड़ में लाखों की ठगी की

बॉलीवुड एक्टर श्रेयस तलपड़े और 12 अन्य सदस्यों के खिलाफ धोखाधड़ी के मामले में शिकायत दर्ज हुई है। आरोप हैं कि श्रेयस तलपड़े ने निवेश के नाम पर एक व्यक्ति से लाखों की ठगी की गई है।

एएनाई की रिपोर्ट के अनुसार, 10 फरवरी को श्रेयस तलपड़े समेत अन्य के खिलाफ मैनपुरी के भोगांव थाने में शिकायत दर्ज करवाई गई है। भोगांव के रहने वाले शिकायतकर्ता का आरोप है कि एक्टर और उनके साथियों ने निवेश का झासा देकर उनसे लाखों रुपए की ठगी की है।

शिकायत के अनुसार, एक्टर ने भोगांव के मोहल्ला मिश्राना में मुंबई की एक बैंक ब्रांच खोलने और उसमें इन्वेस्ट करने के लिए कई गांव वालों से पैसे लिए, हालांकि बाद में सामने आया कि जिस बैंक का जिक्र किया गया था वो फर्जी है।

शिकायत मिलने के बाद कोर्ट ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। शिकायत में श्रेयस तलपड़े के अलावा समीर अग्रवाल, सानिया अग्रवाल, आरके शेट्टी, संजय मुदगिल, शबाब हुसैन, नरेंद्र नेगी, पंकज अग्रवाल, सुप्रिया, अनुज जैन, अजय श्रीवास्तव और अरविंद त्रिपाठी के नाम भी शामिल हैं। शिकायत में श्रेयस तलपड़े को मार्केटिंग एडवाइज बताया गया है।

श्रेयस तलपड़े के खिलाफ पहले भी हुईं धोखाधड़ी की शिकायत

इस मामले से पहले साल 2025 में भी श्रेयस तलपड़े का नाम एक धोखाधड़ी मामले में सामने आ चुका है। बीते साल मितली गांव की बबली ने श्रेयस तलपड़े और आलोक नाथ समेत 22 लोगों के खिलाफ करोड़ों की धोखाधड़ी करने पर शिकायत दर्ज करवाई थी। आरोप थे कि एक ऐसी कंपनी के ब्रांड एंबेसेडर थे, जिसने पैसे दोगुने करने की लालच देकर 500 लोगों से धोखाधड़ी की है। 2025 में ही श्रेयस तलपड़े का नाम एक चिटफंड मामले में भी सामने आया था और उनके खिलाफ उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और हरियाणा में शिकायत दर्ज हुई थी।

पुलिसकर्मी से दोस्ती कर महिला ने ठगे 19 लाख

नवी मुंबई. डिजिटल जमाने में साइबर अपराध करने वाले अब सीधे पुलिसकर्मियों को अपना निशाना बना रहे हैं. इस संबंधित एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसमें एक साइबर अपराधी ने नवी मुंबई पुलिस में काम करने वाले एक पुलिसकर्मी से डिजिटल गोल्ड में इन्वेस्ट करने के बहाने 18 लाख 98 हजार रुपये ठग लिए. इस संबंध में कलंबोली पुलिस ने एक अनजान महिला के खिलाफ केस दर्ज करके जांच शुरू कर दी है. इस मामले में ठगी का शिकार हुआ 34 साल की पुलिस कांस्टेबल कलंबोली में रहता है और नवी मुंबई पुलिस आयुक्तालय में कार्यरत है.

1 दिसंबर 2025 को उक्त पुलिसकर्मी को फेसबुक पर गौरी मुखर्जी नाम की एक महिला ने फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजा था. दोस्त बनने के बाद उसने पुलिसकर्मी का भरोसा जीत लिया. उसने पुलिसकर्मी को बताया कि वह कोलकाता में रहती है और डिजिटल गोल्ड में इन्वेस्ट कर रही है.

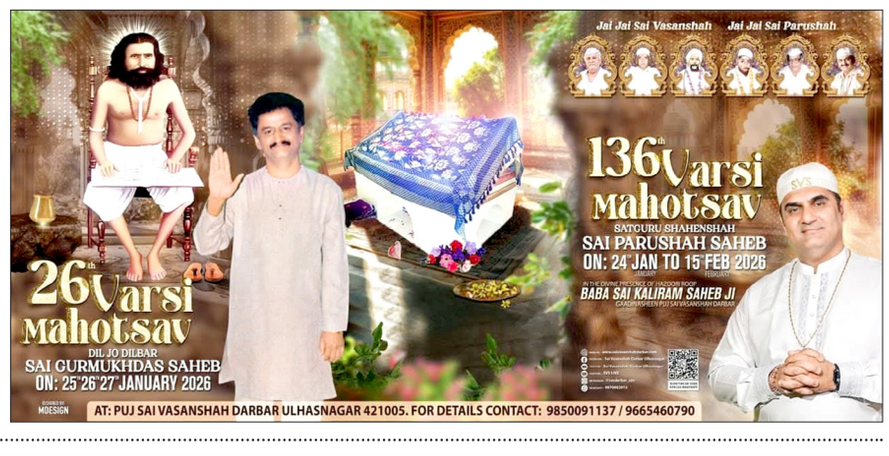

40 करोड़ का ब्रिज खाली, नीचे लंबी कतार

ठाणे. 15 साल पहले 40 करोड़ रुपये की भारी लागत से, परंतु गलत प्लानिंग से बनाया गया एकतरफा सैटिस ब्रिज खाली पड़ा है और नीचे बसों, रिक्शों और अन्य वाहनों की लंबी कतार लगी है. ट्रैफिक जाम और वाहन प्रदूषण का ऐसा अजब दृश्य ठाणे सिटी में अक्सर रहता है. जिससे हजारों लोगों को रोज जूझना पड़ता है. (चित्र में) जांबली नाका से स्टेशन एक किलोमीटर तक वाहनों की लंबी लाइन लगी हुई है और नागरिक परेशान हैं.

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099